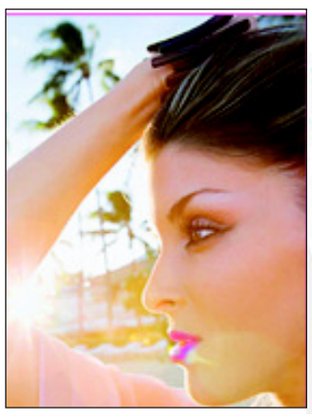

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बच्चों की ग्रोथ जानने के लिए कराएं ये 5 जरूरी टेस्ट, हर पेरेंट्स पेज: 7

एटर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 62 | बुधवार 03 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का राष्ट्रविरोधी ताकतों पर तीखा हमला, बोले- लोकतंत्र का दुरुपयोग बंद हो

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को किसी का नाम लिए बिना, राष्ट्रविरोधी तत्वों का समर्थन करने वाले व्यक्तियों पर तीखा हमला बोला और कहा कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग भारत की संप्रभुता और स्थिरता को कमजोर करने वाली ताकतों का बचाव करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पर एक पोस्ट में, रिजिजू ने कहा कि उन्हें भारत पर गर्व है, लेकिन उन लोगों की वे कड़ी आलोचना करते हैं जो कथित तौर पर राष्ट्रीय हितों से ऊपर अपने निजी हितों को प्राथमिकता देते हैं। रिजिजू ने लिखा कि मुझे भारत में रहने पर बहुत गर्व है, लेकिन मुझे उन स्वार्थी लोगों पर शर्म आती है जिनका कोई नैतिक मूल्य नहीं है, जो केवल धन के पीछे भागते हैं और आतंकवादियों, माओवादियों और भारत विरोधी गिरोहों और अपराधियों का बचाव करते हैं!

विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में स्वस्थ भारत होना बुनियादी जरूरत: जेपी नड्डा

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को एम्स बठिंडा के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया और पास होकर निकले छात्रों को उनके पेशेवर सफर की शुरूआत करने पर बधाई दी। उन्होंने तृतीयक स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में संस्थान के बढ़ते योगदान की सराहना की। जेपी नड्डा ने छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने पर बधाई दी और दूसरे दीक्षांत समारोह को छात्रों, उनके माता-पिता, संकाय सदस्यों और पूरे एम्स बठिंडा परिवार के लिए गर्व और उत्सव का क्षण बताया। उन्होंने संस्थान की तेजी से हुई प्रगति और इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में उसके योगदान

की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स बठिंडा आज प्रतिदिन लगभग 3,000 ओपीडी मरीजों और लगभग 600 ओपीडी मरीजों का इलाज करता है और साथ ही एम्स ब्रांड से जुड़े उच्च मानकों और विश्वसनीयता को भी बनाए रखता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एम्स बठिंडा की सामुदायिक पहुंच की पहलों की भी सराहना की, जिसमें आसपास के 59 गांवों में हर महीने दो बार आयुष्मान शिविर आयोजित करना शामिल है, जहां नागरिकों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों के लिए जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन सेवाओं, मोबाइल मेडिकल इकाइयों, ग्रामीण जागरूकता अभियानों और स्वास्थ्य सेवा पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से यह संस्थान केवल अस्पताल-आधारित देखभाल से आगे बढ़कर सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए स्वास्थ्य सेवा सुधारों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि भारत का स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण मुख्य रूप से उपचारात्मक मॉडल से विकसित होकर एक ऐसे व्यापक ढांचे में बदल गया है, जिसमें निवारक, प्रोत्साहक, पुनर्वास, प्रशामक और बुजुर्गों की देखभाल शामिल है। उन्होंने बताया कि आज 1.82 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संपर्क के पहले बिंदु के रूप में कार्य कर रहे हैं। नड्डा ने सरकार के निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर जोर देने की बात पर बल देते हुए बताया कि 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को पंचायतों, आशा कार्यकताओं और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से नियमित जांच (स्क्रीनिंग) करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन पहलों के तहत हुई प्रगति की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि 36 करोड़ से अधिक लोगों की मुंह के कैंसर के लिए, 17 करोड़ से अधिक महिलाओं की स्तन कैंसर के लिए और 9 करोड़ से अधिक महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर के लिए जांच की गई है।

इसके अलावा 42 करोड़ से अधिक लोगों की मधुमेह और उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) के लिए जांच की गई है, जबकि देशव्यापी तपेदिक (टीबी) जांच अभियान भी चल रहा है। राष्ट्र निर्माण में स्वास्थ्य के महत्व का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि विकसित भारत 2047 का सपना केवल एक स्वस्थ और कर्मठ आबादी के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है।

मुख्य रूप से उपचारात्मक मॉडल से विकसित होकर.....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए स्वास्थ्य सेवा सुधारों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि भारत का स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण मुख्य रूप से उपचारात्मक मॉडल से विकसित होकर.....

ममता बनर्जी का भाजपा पर बड़ा हमला: 'लड़ूंगी या मर जाऊंगी, दिल्ली तक जाऊंगी'; चुनाव में धांधली का आरोप

नई दिल्ली एजेंसी: टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को मध्य कोलकाता में भाजपा की हालिया विधानसभा चुनावों में जीत के बाद पार्टी कार्यकताओं और नेताओं पर कथित हमलों के विरोध में एक दिवसीय धरना शुरू किया। कोलकाता पुलिस द्वारा रानी रश्मोनी रोड पर विरोध प्रदर्शन करने की टीएमसी की अपील को ठुकराए जाने के बाद वह एस्प्लेनेड के वाई-चैनल स्थित धरना स्थल पर पहुंचीं। बनर्जी ने मेगाफोन से भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मंच लगाने या माइक्रोफोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान टीएमसी कार्यकताओं द्वारा नारे लगाने से विरोध प्रदर्शन में अफरा-तफरी मच गई। ममता ने कोलकाता में कहा कि

भाजपा ने बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने के लिए 294 में से 177 सीटों पर मतगणना में धांधली की। उन्होंने दावा किया कि पुलिस टीएमसी कार्यकताओं को प्रदर्शनों में भाग न लेने की धमकी दे रही है, मैं विरोध प्रदर्शन जारी रखूंगा। ममता ने कोलकाता में कहा कि पुनर्वास के बिना फेरीवालों को बेदखल करना टीएमसी सरकार की नीति नहीं थी, हमने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने कहा कि मैं इन कठिन समय में टीएमसी कार्यकताओं का साथ नहीं छोड़ूंगी। ममता ने शुभेंदु अधिकारी की ओर इशारा करते हुए कहा कि मुझे इस बात का अफसोस है कि जिन लोगों को मैंने जीवन में सहारा दिया, वे अब गद्दार के साथ मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा विरोधी दल देशव्यापी कार्ययोजना पर निर्णय लेने के लिए दिल्ली में बैठक करेंगे। धरने वाली जगह पर उसने नारे लगाए, "मैं लड़ूंगी या मर जाऊंगी।" हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि निजी स्वार्थों के लिए पार्टी से नेताओं के अलग होने से संगठन के पुनर्निर्माण में मदद मिलेगी और टीएमसी इस संकट से और भी मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोग क्यों डरे हुए हैं? लोग क्यों चिंतित हैं? पूरा माहौल ही बदल गया है। कोलकाता और बंगाल को गुंडों के हवाले कर दिया गया है। टीएमसी टिकट पर विधानसभा सीटें जीतने वाले अधिकांश नए चेहरे अनुपस्थित थे, वहीं बनर्जी के साथ पार्टी के पुराने नेता फिरहाद हकीम, मदन मित्रा, डेरेक ओ'ब्रायन, कल्याण बनर्जी और डोला सेन नजर आए।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव से सुलह की अटकलों को नकारा, अब्दुल सत्तार के बयान से महायुति में दरार?

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के वरिष्ठ नेता अब्दुल सत्तार ने सोमवार को गठबंधन सहयोगी भाजपा पर अपनी पार्टी को सुनियोजित तरीके से खत्म करने का आरोप लगाया। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर बढ़ते तनाव के मद्देनजर, सत्तार ने महाराष्ट्र में शिवसेना के दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों के पुनर्मिलन पर विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया। सत्तार ने छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से कहा कि हमारी अपनी सहयोगी (भाजपा) शिवसेना का ह्यसिर कलमह्न करने की कोशिश कर रही हैह्व भाजपा ने पहले ही हमारे हाथ-पैर तोड़ दिए हैं और अब हमारा सिर काटने की

कोशिश कर रही है। उनके बेटे समीर सत्तार इसी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे थे, लेकिन भाजपा ने उनकी जगह अपना उम्मीदवार सुहास शिरसात मैदान में उतारा। इसके बाद समीर सत्तार ने बागी उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। भाजपा उन सीटों पर अपना दावा जता रही है जिन पर ऐतिहासिक रूप से शिवसेना का कब्जा रहा है। सत्तार ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनाने के लिए किए गए राजनीतिक समझौतों को जल्दी भूल गई है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में विराजमान देवी कामाख्या हमारे बलिदानों को जानती हैं, लेकिन भाजपा उन्हें भूल चुकी है। इसके बजाय, वे सक्रिय रूप से हमारी पार्टी के भीतर फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। सत्तार, जो पिछली शिंदे-भाजपा सरकार में एकमात्र मुस्लिम चेहरा थे, ने अफसोस जताया कि भाजपा नेताओं की ताकत बढ़ती जा रही है, जबकि शिवसेना की संरचनात्मक कमजोरी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि शिवसेना जिला परिषद और नगर निगम में सत्ता में थी। अब हम वहां पूरी तरह से बेबस हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुटों के बीच संभावित सुलह की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केवल उनकी पार्टी ही शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की विचारधारा को आगे बढ़ा रही है और उसे जनता का जनादेश प्राप्त है।

कर्नाटक कैबिनेट और राज्यसभा उम्मीदवारों पर राहुल गांधी, खड़गे ने दिल्ली में किया मंथन

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 2 जून को दिल्ली में कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार डीके शिवकुमार और वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया के साथ राज्य के नए मंत्रिमंडल और राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। कांग्रेस मुख्यालय में हुई बैठक सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद हुई, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हुई और शिवकुमार को राज्य सरकार की बागडोर संभालने का मौका मिला। उसी दिन, शिवकुमार ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले मंत्रिमंडल गठन और महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियों पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में खरगे के आवास का दौरा किया। ये चर्चाएँ बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि कांग्रेस उच्च कमान कर्नाटक मंत्रिमंडल की

संरचना को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रही है, जिसमें मंत्री पद, उपमुख्यमंत्री की भूमिका और पार्टी की राज्य इकाई के पुनर्गठन शामिल हैं। इससे पहले, कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता पार्टी नेतृत्व के साथ परामर्श के लिए नई दिल्ली में एकत्रित हुए। कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने खर्गे के आवास पर बैठक की। शिवकुमार का मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह 3 जून को शाम 4 बजे बेंगलुरु के लोक भवन में निर्धारित है। इससे पहले, सिद्धारमैया ने दिल्ली में पार्टी नेताओं से मुलाकात की, और कर्नाटक कांग्रेस विधायक प्रियांक खर्गे ने नए मंत्रिमंडल में उनकी संभावित भूमिका के बारे में अटकलों के बीच मल्लिकार्जुन खरगे से बातचीत की।

'बीजेपी को पेपर लीक से नहीं, चर्चा से दिक्कत.अरविंद केजरीवाल का सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर तब हमला बोला जब उनके पार्टी नेता ने आरोप लगाया कि प्रयागराज में उत्तर प्रदेश पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने छात्रों के साथ पेपर लीक मामले पर उनकी चर्चा को बाधित किया। संजय सिंह की पोस्ट को साझा करते हुए केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह पेपर लीक जैसी समस्याओं को सुलझाने में कोई कार्रवाई नहीं करती, बल्कि इस पर चर्चा को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को पेपर लीक से कोई समस्या नहीं है। समस्या पेपर लीक पर हो रही चर्चा से है। यह घटना संजय सिंह द्वारा सोमवार को लगाए गए आरोपों के बाद सामने आई है। संजय सिंह ने आरोप लगाया था कि प्रयागराज में उत्तर प्रदेश पुलिस और सरकारी अधिकारियों ने पेपर लीक के मुद्दे पर छात्रों से उनकी बातचीत को रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा था कि तानाशाही चरम पर पहुंच गई है। पर वीडियो साझा करते हुए संजय सिंह ने कहा कि प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में तानाशाही चरम पर पहुंच गई है। बंद कमरों में भी लाखों छात्रों के भविष्य पर चर्चा करने की अनुमति नहीं दी जा रही है; प्रशासन पेपर लीक की बात को भी रोकने के लिए आ गया है। मोदी-योगी की दो इंजन वाली सरकार पूरी तरह विफल हो गई है और विपक्ष को कुचलना चाहती है। वीडियो में संजय सिंह ने व्यवधान को लेकर अधिकारियों से सवाल किया कि क्या देश के लाखों छात्रों को प्रभावित करने वाले पेपर लीक के बारे में बात करना अवैध हो गया है?

अब 'पावागढ़' होगा 'फाजिलनगर' का नाम, कुशीनगर में सीएम योगी की हुंकार, मच्छर और माफिया दोनों खत्म किए

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कुशीनगर में एन्सेफलाइटिस का अंत हो गया है और सरकार ने इस क्षेत्र से मच्छरों और माफियाओं दोनों का सफाया कर दिया है। कुशीनगर में जनता को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र में माफियाओं द्वारा फैलाई गई बीमारियों और बेरोजगारी की समस्या का समाधान कर दिया है। उन्होंने कहा कि जैसे उत्तर प्रदेश में माफिया का सफाया हुआ है, वैसे ही यहां एन्सेफलाइटिस का भी अंत हो गया है। हमने मच्छरों और माफिया दोनों का सफाया कर दिया है। मच्छरों से बीमारियां फैलीं और माफिया से बेरोजगारी। हमने बीमारियों और बेरोजगारी दोनों की समस्या का समाधान कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर में 424 करोड़ रुपये की 278 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी ने तमकुही राज विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास के

लिए भाजपा विधायक असीम कुमार की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2022 से पहले, जब समाजवादी पार्टी के विधायक की सरकार थी, तब यह क्षेत्र मजाक का पात्र बन चुका था। उन्होंने कहा कि हर सरकार की अपनी सोच होती है... 2022 से पहले विकास के बारे में कोई नहीं सोचता था। तमकुही राज यहां सिर्फ मजाक का पात्र बनकर रह गया था। लेकिन आज मैं कह सकता हूं कि तमकुही राज के शासन में स्थानीय विधायक लगन से काम कर रहे हैं और कई योजनाएं ला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विधायक और सांसद मिलकर आपकी मांगों को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए काम करते हैं। योगी आदित्यनाथ ने यह भी घोषणा की कि सरकार ने भगवान महावीर को श्रद्धांजलि के रूप में फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, हमने फाजिलनगर का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा है। अब इसे फाजिलनगर के नाम से नहीं जाना जाएगा; बल्कि भगवान महावीर को श्रद्धांजलि के रूप में इसे पावागढ़ के रूप में एक नई पहचान दी जाएगी। पावागढ़ का नाम, परंपरा और संस्कृति अब पूरे देश और विश्व तक पहुंचेगी

अन्नामलाई-अमित शाह मुलाकात: बीजेपी में भविष्य पर दिल्ली तक अटकलों का बाजार गर्म!

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जबकि पार्टी में उनके भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। अन्नामलाई ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और वरिष्ठ नेता बीएल संतोष से भी मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, "तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और वरिष्ठ नेता बीएल संतोष से भी मुलाकात की। उन्होंने अपने इस्तीफे के संबंध में चर्चा की। यह चर्चा गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनकी मुलाकात के साथ समाप्त हुई। दोनों ने उनके इस्तीफे के विषय पर विचार-विमर्श किया; हालांकि, के. अन्नामलाई ने अभी तक औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा नहीं दिया है। आज रात भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और के. अन्नामलाई के बीच इस मुद्दे पर आगे की चर्चा होने की संभावना है। कल या परसों के. अन्नामलाई तमिलनाडु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।" एक दिन पहले, जब उनसे सोशल मीडिया पर चल रही उन अफवाहों के बारे में पूछा

गया कि वे पार्टी छोड़कर एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि कृपया प्रतीक्षा करें। हम दो दिन में बैठकर बात करेंगे। उनकी यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर चल रही तीखी चर्चा के बीच आई है। 4 जून को अन्नामलाई के जन्मदिन से पहले कोयंबटूर की प्रमुख सड़कों और गलियों में हमारे नेता, आइए और हमारा नेतृत्व कीजिए जैसे नारों वाले पोस्टर लगाए गए हैं। यह बड़ा राजनीतिक बदलाव 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद आया है, जिन्होंने राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ ला दिया, क्योंकि टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में 108 सीटें जीतकर डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने वर्चस्व को समाप्त कर दिया। इस जीत के बाद, विजय ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद चेन्नई में तमिलनाडु सचिवालय में कार्यभार संभाला। 234 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 120 विधायकों का समर्थन हासिल करने वाले विजय के साथ-साथ राज्यपाल अर्लेकर ने विजय के नए मंत्रिमंडल के सदस्यों को भी पद की शपथ दिलाई। इस मंत्रिमंडल में मंत्री 'बुस्सी' एन आनंद, आदव अर्जुन, के.ए. सेंगोत्तैयान, के.जी. अरुणराज, पी. वेंकटरामनन, सी.टी.आर. निर्मल कुमार, ए. राजमोहन, कीर्तना और के.टी. प्रभु शामिल हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले भाषण में विजय ने राज्य की जनता को उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित शासन के एक "नए युग" का आह्वान किया। उन्होंने समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं की जोरदार जयकार के बीच कहा, "आइए, हम सब मिलकर तमिलनाडु को एक नई सरकार दें। यह एक नई शुरूआत है, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के एक नए युग की शुरूआत है।"

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को और तेज कर दिया है। 2026 के विधानसभा चुनावों में टीवीके की ऐतिहासिक जीत और विजय के मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य की राजनीति में आए बड़े बदलावों के बीच.....

संपादकीय

विराट और वैभव

भले ही फटाफट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाला आईपीएल बाजार और नई पीढ़ी के जुनून का संगम हो, लेकिन लोकप्रियता के नये आयाम तय करता यह खेल अब दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की पहली पसंद बन गया है। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे चमकीले सितारे बनकर उभरे टी-20 सनसनी वैभव सूर्यवंशी। महज पंद्रह साल की उम्र में उनकी कामयाबी हैरत में डालने वाली है। वहीं अनुभवी क्रिकेटर विराट कोहली ने अपने खास अंदाज में सबका ध्यान आकर्षित किया। इस 37 वर्षीय दिग्गज क्रिकेटर ने फाइनल में तूफानी अर्धशतक लगाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को लगातार दूसरी बार ट्रॉफी दिलाई। दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मनःस्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी-20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दर्शाती है। निस्संदेह, हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग सीजन ने साफ दिखाया कि दो पीढ़ियों के क्रिकेटर कैसे एक-दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं। वास्तव में, विराट कोहली आज भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी की छवि को बनाये हुए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे उदीयमान खिलाड़ी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस फटाफट क्रिकेट में खेल का निरंतर विकास होता रहेगा। यह सुखद ही है कि राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी सूर्यवंशी ने अधिकांश पुरस्कार अपने नाम किए हैं। मसलन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइक ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप विजेता और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे खिताब हासिल किए।

चिंतन-मनन

सच्चा मित्र संजीवनी की तरह

हम सभी के परिचित और दोस्त होते हैं। भले ही बचपन के, स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या आस-पास कॉलोनी में रहने वाले हों, मित्र तो सभी के होते हैं। सच्चा मित्र बनना और बनाना हर इंसान की इच्छा होती है। लेकिन, सच्चे मित्र बहुत कम मिल पाते हैं। ऐसा मित्र, जिस पर हम भरोसा कर सकें, जिसके साथ अपनी हर बाते शेयर कर सकें। धर्मशास्त्रों में सच्चा मित्र उसे कहा गया है, जो सुख-दुख में साथ दे। ऐसे दोस्त से कभी भी डर नहीं लगता। ये सही रास्ते पर चलने में हमारे मददगार होते हैं। लेकिन, ऐसा दोस्त कौन है? क्या वह जो सिर्फ परिचित है? सच्ची दोस्ती प्रेम, विश्वास व भरोसा, एक-दूसरे का ख्याल रखने और चिंताओं पर ही आधारित होती है। क्या, कभी इस प्रश्न का उत्तर आपने खुद से पूछा है?

प्रिय शब्दों से मित्रों की संख्या बढ़ती है और मधुर वाणी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार। हमारे परिचित अनेक हों, किंतु परामर्शदाता ईश्वर एक ही है। ईश्वर ही सच्चा दोस्त है, जो जीवन के हर पल में हमारी परछाई बनकर साथ रहता है। उस पर अपनी आंखें बंद कर, विश्वास व भरोसा करते हैं। जब सुखी या दुखी होते हैं, ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना के रूप में उससे बातें करते हैं। जीवन की हर बात उससे साझा करते हैं और फिर खुद को हल्का महसूस करते हैं। किसी भी कार्य की शुरूआत हम ईश्वर से आशीर्वाद लेकर ही करते हुए कहते हैं-हे मेरे मालिक, मुझ पर अपनी छत्र-छाया बनाए रख, मेरा मार्गदर्शन कर और मुझे सफलता प्रदान कर। कोई मित्र अवसरवादी होता है, वह विपत्ति में साथ नहीं देगा। कोई मित्र शत्रु बन जाता है और अलगाव का दोष भी हमें ही देता है। कोई मित्र हमारे यहां खाता-पीता है, किंतु विपत्ति के वक्ति दिखाई नहीं देता। समृद्धि के दिनों में वह हमारा अंतरंग बन कर रौब जमाता है, किंतु दुर्दिन आते ही शत्रु बनकर मुंह फेर लेता है। परीक्षा लेने के बाद किसी को मित्र बना लो, लेकिन उस पर तुरंत विश्वास मत करो। अपमान, अहंकार और विश्वासघात के कारण मित्रता टूट जाती है। कभी ऐसा भी होता है, जिस दोस्त पर हम सबसे ज्यादा विश्वास व भरोसा करते हैं, वही विश्वासघात करता है और हृदय पर चोट लगने पर मित्रता टूट जाती है।

अगर, हम संकट और दरिद्रता में मित्र का साथ दें तो उसकी समृद्धि और विरासत के साझेदार बन सकते हैं। सच्चा दोस्त जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उससे घर-परिवार व समाज में पहचान बनती है। सच्चा मित्र प्रबल सहायक है। जिसे मिल जाता है, समझो उसे खजाना मिल गया। ऐसे मित्र की कीमत धन से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा मित्र असल में संजीवनी है। इंसान जैसा है, उसका मित्र भी वैसा ही होगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व साइकिल दिवसः प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

दिलीप कुमार पाठक

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है।

आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिल को अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहाँ बड़े-बड़े अधिकारी और सजग नागरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप्स का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते। साइकिल चलाना पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि एक बेहद जागरूक, समझदार और आधुनिक नागरिक होने की पहचान है। इस विश्व साइकिल दिवस पर हमें केवल औपचारिक संदेश भेजने के बजाय एक छोटा सा व्यावहारिक संकल्प लेना चाहिए। तय करें कि सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन हम अपनी गाड़ियों को आराम देंगे और नजदीकी कामों के लिए साइकिल की सवारी करेंगे। जब आपकी साइकिल का पहिया घूमता है, तो देश की सेहत और पर्यावरण का पहिया भी सही दिशा में आगे बढ़ता है।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं जहां दोनों ओर के लोग एक-दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस सुझाव पर हुई जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती।

इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन्द्र शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वार्ताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन्द्र शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जताई गई और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन्द्र शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की।

बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार-बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की हालिया टिप्पणियां इसी का उदाहरण बन गई हैं, जहां भारत पर निशाना साधने की कोशिश से अधिक नुकसान उन्हें अपने ही देश के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में उठाना पड़ा है।

सखी वन स्टॉप सेन्टर, अमराहो के कार्मिको द्वारा मॉ को बेटे के कैद से कराया मुक्त

अमरोहा (सब का सपना):- राधिका(काल्पनिक नाम) ने महिला हेल्पलाइन 181 के माध्यम से राधिका ने अवगत कराया कि मेरे छोटा भाई द्वारा माँ को 7 महीने से घर मे कैद कर रखा है और घर से बाहर भी नही जाने देता है अगर अपने घर से निकलता है तो दरवाजे मे बाहर से ताला लगा के जाता है और हम भाई बहन को भी नही मिलने देता है। मेरी अब मॉ सही है भी कि नही मुझे नही पता। जानकारी मिलते ही ममता दुबे, केन्द्र प्रबन्धक, करूणा निधि, मनोबैज्ञानिक परामर्शदाता एवं अनुराधा भारती, नर्स प्रभारी मिशन शक्ति केन्द्र, हसनपुर एवं पुलिसकमियों के साथ वन स्टॉप सेन्टर की टीम पीड़िता के घर पर पहुॅची और घर का गेट जनगणना के नाम पर विपक्षी से खुलवाया। देखने

पर ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी की मानसिक स्थिति ठीक प्रतीत है और पीड़िता मॉ मीना(काल्पनिक नाम भी काफी घबराई एवं डरी हुई प्रतीत हुई।। पीड़िता मॉ भी विपक्षी बेटे के चुंगल से मुक्त होना चाहती थी। पीड़िता मॉ ने बताया कि कभी -कभी मेरा बेटा मुझे मारता भी था। 07 महीने मैंने अपना मुॅह भी नही खोला। पडोसियों द्वारा भी कहा गया कि हमने भी 07 माह से पीड़िता मीना को नही देखा। यह घर के अन्दर ही बन्द रहती थी। पीड़िता मीना (काल्पनिक नाम द्वारा बेटे से मुक्त होते ही वन स्टॉप सेन्टर की टीम को धन्यवाद किया गया। पीड़िता द्वारा कहा गया कि मैने यहॉ से मुक्त होने की उम्मीद ही खो दिया था परन्तु आप लोगो ने मुझे नया जीवन दिया है। इसके लिए आप सब को बहुत-बहुत धन्यवाद। पडोसियों द्वारा कहा गया कि आप लोगो द्वारा बहुत अच्छा कार्य किया है। आप लोगो के द्वारा पीड़िता को बेटे से मुक्त कर। जब से पीड़िता के पति का मृत्यु हुआ था तब से पीड़िता को अपने घर से बाहर नही देखा। बेटा पीड़िता को घर में बन्द रखता था। पीड़िता द्वारा कहा गया कि वह अपनी बेटी राधिका के साथ ही जाना चाहती है। प्रार्थिनी राधिका ने भी कहा कि अपने मॉ को अपने साथ रखना चाहती है। ममता दुबे, केन्द्र प्रबन्धक ने बताया कि पीड़िता मीना को बेटे के कैद से मुक्त कर बेटी रूपाली के साथ सुपुर्द कर दिया गया है और इसके साथ ही बेटी राधिका को मॉ का ख्याल रखने को भी बोला गया।

राधिका द्वारा वन स्टॉप सेन्टर की टीम को आश्वासन भी दिया गया कि वह अपनी मॉ को अच्छे से ख्याल रखेगी। इसके साथ राधिका को सलाह भी दिया गया कि वह भाई का अच्छे से मनोवैनिक परामर्श लेकर ईलाज कराये।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी पद का चार्ज संभाला

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर डॉ. रमाकांत सागर ने मंगलवार को औपचारिक रूप से चार्ज ग्रहण कर लिया। उन्होंने डॉ. योगेंद्र सिंह से पदभार प्राप्त किया। इससे पहले लगभग चार माह तक कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में डॉ. योगेंद्र सिंह ने अपनी जिम्मेदारियों को बेहतरीन ढंग से निभाया। सरकार की मंशा के अनुरूप उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास किए। अपने कार्यकाल में डॉ. योगेंद्र सिंह ने सबसे बड़ी उपलब्धि

झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ की गई ताबड़तोड़ कार्रवाई को माना जा रहा है। उन्होंने अवैध रूप से चिकित्सा पेशा चला रहे कई झोलाछापों पर छापेमारी कर उनके क्लीनिक सील किए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की। जिलाधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने डॉ. योगेंद्र सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कम समय में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मरीजों के हित में कई ठोस कदम उठाए।

नए सीएमओ डॉ. रमाकांत सागर ने चार्ज ग्रहण करते ही अधिकारियों के साथ बैठक की और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी।

सांसद धर्मेंद्र यादव से मिले गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख, विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव से गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सांसद ने ब्लॉक प्रमुख को क्षेत्र के विकास को लेकर मार्गदर्शन दिया। भेंट के दौरान ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने सांसद धर्मेंद्र यादव का स्नेह एवं सानिध्य प्राप्त किया। दोनों नेताओं के बीच विधानसभा चुनाव और

संगठनात्मक मजबूती पर विस्तृत चर्चा की। सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की पहली जिम्मेदारी जनता की सेवा है। उन्होंने ब्लॉक प्रमुख से आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर देने को कहा।

ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़कवंशी ने सांसद के मार्गदर्शन के लिए आभार जताया और कहा कि उनके अनुभव से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि ब्लॉक की हर पंचायत तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा।

मंडी धनौरा में 'हैल्पिंग हैंड्स' के तहत समर कैंप की शुरूआत, पहले दिन ही 65 जरुरतमंद बच्चों को मिला निःशुल्क प्रशिक्षण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में 'हैल्पिंग हैंड्स' के तहत समर कैंप का आयोजन कराया गया जिसमें नगर के जरूरतमंद बच्चों के लिए निशुल्क योग, सिलाई-कढ़ाई,ट्यूशन का प्रशिक्षण दिया गया। गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप का यह कार्यक्रम 2 जून से 15 जून तक प्रचलित रहेगा। बता दें कि इस समर कैंप में पहले ही दिन लगभग 65 बच्चों ने अपना पंजीकरण कराया और निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त किया।14 दिवसीय आयोजित ये समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। इसमें दैनिक योगाभ्यास के साथ-साथ नियमित पढ़ाई और छात्रवृत्ति परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जा रही है। बच्चों को मेहंदी, ड्राइंग और सिलाई जैसे रचनात्मक व व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।संस्था की अध्यक्ष सृष्टि अग्रवाल और प्रबंधक व शहर की स्वच्छता प्रेरक सिम्मी अग्रवाल ने इस पहल का उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। उनका लक्ष्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि जगाना है, ताकि वे आत्मनिर्भर और सशक्त बन सकें।इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं और अभिभावकों ने संस्था के इस प्रयास को सकारात्मक बताया। स्थानीय निवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उनका मानना है कि ऐसे निःशुल्क प्रयास आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करेंगे।इस कार्य को सफल बनाने में संस्था की पदाधिकारी और सदस्य पारुल, कमलेश, शशि, नेहा, रेनू, काकुल, बबली और अनीता गुप्ता सक्रिय योगदान दे रही हैं।

रजबपुर में प्रधान के घर पंचायत के दौरान मारपीट,9 पर केस दर्ज

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में प्रधान के घर आयोजित एक पंचायत के दौरान दो पक्षों में मारपीट हो गई। बताया जा रहा है कि पंचायत बच्चों के झगड़े को लेकर चल रही थी इस दौरान एक व्यक्ति पर हमला किया गया। पुलिस ने इस मामले में चार नामजद सहित नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बता दें कि रजबपुर निवासी अमजद द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 24 मई को रात करीब 9:40 बजे उनके भाई आमिर पुत्र गुलहसन ग्राम प्रधान राशिद के घर पहुंचे थे। वहां बच्चों के झगड़े को लेकर गांव

के प्रतिष्ठित लोगों की एक पंचायत चल रही थी।आरोप है कि तभी गांव के अनवर अली पुत्र रईस, रईस, रहमत अली पुत्रगण अब्दुल हफीज और शहवेज पुत्र रहमत अली, निवासीगण रजबपुर, प्रधान के घर में घुस आए। उन्होंने आमिर के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। गांव के लोगों ने बीच-बचाव कर आमिर को बचाया।किसी तरह आमिर अपनी जान बचाकर अपने घर पहुंचे। आरोप है कि हमलावर अपने चार-पांच अज्ञात साथियों के साथ लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और धारदार हथियार लेकर आमिर के घर में घुस गए। उन्होंने आमिर पर जान से मारने की नीयत से हमला किया।इस हमले में आमिर गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए और जमीन पर गिर पड़े। तहरीर के अनुसार, अनवर, रईस और रहमत ने कथित तौर पर कहा, "आज इस साले का काम तमाम कर देंगे, यह बहुत बचता घूमता रहता है।पुलिस ने अमजद की तहरीर के आधार पर अनवर अली, रईस, रहमत अली, शहवेज और 4-5 अज्ञात व्यक्तियों सहित कुल 9 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धनौरा में भाकियू (टिकैत) गुट ने किसान समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौपा ज्ञापन

4 जून तक मांगे पूरी न होने पर, 5 जून को धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की मंडी धनौरा तहसील में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे को किसान समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि 4 जून तक उनकी सभी मांगे पूरी नहीं हुई तो संगठन 5 जून को तहसील प्रांगण में भारी धरना प्रदर्शन करेगा। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से किसानों और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की गई है। बता दें कि संगठन ने यह भी चेतावनी दी है कि इस दौरान धनौरा-गजरौला-चांदपुर मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया जाएगा। संगठन ने कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। यह विरोध प्रदर्शन पुलिस कार्यप्रणाली, सड़क निर्माण में बाधा, बैंकिंग समस्याओं और कृषि संबंधी मुद्दों को लेकर किया जा रहा

है।संगठन ने थाना धनौरा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाकियू का कहना है कि पुलिस बदमाशों का सम्मान कर रही है, जबकि संभ्रांत नागरिकों का अपमान किया जा रहा है। डींगरा चौकी पर तैनात सिपाही अजय पर संभ्रांत लोगों से अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए उसे तत्काल निलंबित करने की मांग की गई है।एक अन्य समस्या डींगरा बिजली घर से पारा चौराहे तक स्वीकृत पक्की सड़क के निर्माण को लेकर है। भाकियू का आरोप है कि कुछ शरारती तत्वों ने इस निर्माण कार्य को रुकवा दिया है। संगठन ने मांग की है कि इस मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर बुलाया जाए।किसानों ने भारत सरकार द्वारा क्रेडिट लिमिट (केसीसी) को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये किए जाने के बावजूद बैंकों द्वारा इसका लाभ न दिए जाने पर भी नाराजगी जताई है। इस पर 4 प्रतिशत ब्याज देय होता है, लेकिन बैंक इसे लागू नहीं कर रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए लीड बैंक मैनेजर (एलडीएम) को मौके पर बुलाने की मांग की गई है।इसके अतिरिक्त, भाकियू ने वेव शुगर मिल से किसानों का संपूर्ण गन्ना भुगतान तुरंत दिलाने, क्षेत्र में खाद की किल्लत दूर करने और किसानों को आवारा व जंगली पशुओं के आतंक से निजात दिलाने की भी पुरजोर मांग की है।ज्ञापन सौंपने और चेतावनी देने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार,, रंजीत सिंह, मुकेश शर्मा, सुरेंद्र सिंह, संजय सिंह अम्हेड़ा, अली जफर, भयंकर यादव,

पंचायत सहायकों ने की मानदेय वृद्धि की मांग खण्ड विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- ब्लॉक में पंचायत सहायकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया धरने के बाद उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा उनकी मुख्य मांगों में समान कार्य के लिए समान वेतन और मानदेय में वृद्धि शामिल है। ज्ञापन में कहा गया है कि उन्हें वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार ड्ड6000 देती है उनकी मांग है कि समान कार्य समान वेतन के लिए कम से कम ड्ड30000 हमें दिया जाए। महिलाओं के लिए स्थानांतरण की व्यवस्था की जाए जिस प्रकार सामुद्रिक शौचालय पर केयरटेकर को ड्ड3000 मेंटेनेंस के दिए जाते है इसी प्रकार प्रत्येक ग्राम पंचायत में सचिवालय पर प्रत्येक महीने उसके

मेंटेनेंस के लिए कुछ धनराशि प्रदान की जाए। सभी की मुख्य मांग यह है कि उनका मानदेय प्रत्येक महीना उनके खाते में डाला जाए। सभी पंचायत सहायकों की मांग यह है कि उनसे जो गैर विभाग के कार्य किए जाते हैं वह न किए जाएं, उनसे केवल विभाग के कार्य ही कराई जाएं, जो पंचायती राज विभाग के हो। पंचायत सहायकों को पिछले साढे चार साल हो गए हैं उन्हें ना तो इंटरनेट की कोई सुविधा मिल पाई है ना कोई विभाग की तरफ से फोन दिया गया है। हमारी जो बेसिक मांगे हैं वह समय से पूरी की जाएं, यदि हमारी मांगे पूरी नहीं की जाती है तो हम डीपीआरओ तथा डीएम को ज्ञापन देंगे और 15 तारीख को हमारा आंदोलन मानदेय वृद्धि के इको गार्डन लखनऊ में करेंगे। इस मौके पर पंचायत सहायकों के अध्यक्ष विपिन कुमार, उपाध्यक्ष नीलम चौधरी, कोषाध्यक्ष उमेश कुमार, महामंत्री अनिल कुमार, सचिव अंकित चौधरी, मीडिया प्रभारी विनीत चौधरी, रविन्द्र कुमार, ललित कुमार, रूपल रावत, गरिमा शर्मा, राजेन्द्र सिंह, रॉबिन चौधरी, मुकुल तोमर, अरन कुमार, ललित कुमार, करीला, ऋतु कुमारी, कविता, प्राजूल वगोर्ती, ललित कुमार, मोरनी, अमर बघेल, नितिन चौधरी, पल्लवी गोस्वामी, शालिनी कुमारी, मुकेश कुमार, टीना, रोहित शर्मा, रितेश कुमार, भूपेन्द्र कुमार, आदि मौजूद रहे ।

अंतिम यात्रा में पार्थिव देह के साथ तिगरी पहुंचे युवकों पर हमला,दो गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र के तिगरी गंगा धाम में पार्थिव शरीर के साथ अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे चार युवकों पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मारपीट का यह मामला पुरानी रंजिश का है। उधर घायल युवकों ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाइ है।

बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव तिगरी गंगा घाट का है।जहां मंगलवार की दोपहर अर्पित पुत्र अरविंद सिंह,आदित्य पुत्र रमेश सिंह,कुलदीप व उसके जीजा निवासी धनौरा मोहल्ला सुभाष नगर

एक पार्थिव शरीर के साथ अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पहुंचे थे।अंतिम संस्कार के बाद चारों युवक घाट पर स्थित एक दुकान पर चाय पकौड़ी खा रहे थे।अर्पित का आरोप है कि उसी दौरान दो गाड़ियों में 10 से 12 लोग लाठी डंडों के साथ आए और हमारे ऊपर हमला कर दिया। अर्पित का कहना है कि उन लोगों में से वह है तीन लोगों को पहचानता है जिनमें से एक सुरजीत नामक व्यक्ति जो शाहपुर का रहने वाला है,दूसरा हनी पुत्र चरनसिंह जो कि गांव कलाली का निवासी है और अनमोल निवासी ग्राम पथरकुटी का है। इस मामले प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि दो दिन पहले मंडी धनौरा में भी इन दोनों गुटों का आपस में झगड़ा हुआ था। जिसकी रंजिश रखते हुए सुरजीत, हनी और अनमोल ने अपने साथियों के साथ तिगरी में जाकर उन पर हमला किया। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में बताया है कि मामला पुरानी रंजिश का है तहरीर प्राप्त हो गई है मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

नवागत बीएसए वीरेन्द्र कुमार सिंह और जीजीआईसी के डीआईओएस विनय कुमार का ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों ने किया जोरदार स्वागत

शिकारपुर/बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद में नए प्रशासनिक फेरबदल के बाद शिक्षा विभाग में नई ऊर्जा और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। जनपद के समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों (BEOs) ने नव-नियुक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) वीरेन्द्र कुमार सिंह, और जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) विनय कुमार, से उनके कार्यालय पहुंच कर शिष्टाचार मुलाकात की और फूल-मालाएं पहना कर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेन्द्र कुमार सिंह, इससे पहले जनपद बदायूं में इसी पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। शासन द्वारा किए गए हालिया स्थानांतरण के तहत उन्हें अब

बुलन्दशहर की कमान सौंपी गई है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक कर क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षा के स्तर को और अधिक मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। वहीं दूसरी ओर बुलन्दशहर के वर्तमान जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) विनय कुमार, की जिम्मेदारियों में भी शासन द्वारा इजाफा किया गया है वर्तमान डायट (DIET) प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार सक्सेना, का स्थानांतरण दूसरे जनपद में जिला विद्यालय निरीक्षक के पद पर हो गया है इसके फलस्वरूप शासन के आदेशानुसार बुलन्दशहर के डीआईओएस विनय कुमार, को अब डायट प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार भी सौंप दिया गया है। इस विशेष अवसर पर अमन गुप्ता, ने अपनी पूरी टीम के साथ नवागत बीएसए वीरेन्द्र कुमार सिंह, का गर्मजोशी से स्वागत किया।

टीम के सदस्यों ने बुके भेंट कर और मिठाई खिला कर उनका मुंह मीठा कराया और उनके सफल कार्यकाल की कामना की स्वागत समारोह के दौरान सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों ने नए अधिकारियों को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया ताकि जनपद में बुनियादी शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा दोनों के स्तर को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके ।

धामपुर रेलवे स्टेशन पर टाइल्स गिरने के बाद कील ठोंकने का अभियान शुरू, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हो रहे धामपुर के वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन भवन में लगातार टाइल्स और पत्थर गिरने की घटनाओं के बाद रेलवे विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले दो सप्ताह के भीतर तीन बार स्टेशन भवन से टाइल्स और पत्थर टूटकर गिरने की घटनाएं सामने आने के बाद अब उन्हें सुरक्षित रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को मुरादाबाद मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) पारितोष गौतम ने अधिकारियों की टीम के साथ धामपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के बाद रेलवे विभाग ने भवन की बाहरी दीवारों पर लगे पत्थरों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए उनमें कील ठोंकने का कार्य शुरू करा दिया। मंगलवार को स्टेशन परिसर में यह कार्य युद्ध स्तर पर जारी रहा। रेलवे अधिकारियों ने प्लेटफॉर्म क्षेत्र में बैरिकेडिंग कराकर श्रमिकों को काम पर लगाया। बताया जा रहा है कि प्रत्येक पत्थर में तीन से चार कीलें लगाई जा रही हैं ताकि भविष्य में उनके गिरने की संभावना को रोका जा सके। कार्य में लगे श्रमिकों ने बताया कि रेलवे अधिकारियों के निर्देश पर मशीनों की सहायता से पत्थरों को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन भवन के विभिन्न हिस्सों में यह अभियान जारी है। गौरतलब है कि लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से धामपुर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। हालांकि भवन का अभी औपचारिक उद्घाटन भी नहीं हुआ है, लेकिन उससे पहले ही लगातार टाइल्स और पत्थर गिरने की घटनाओं ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सतवंत सलूजा, जावेद रहमान तथा भाजपा नेता नागेश्वर दयाल गहलोत सहित अन्य स्थानीय लोगों ने मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्माण सामग्री एवं कार्य की गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते तकनीकी जांच नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से स्वतंत्र एजेंसी द्वारा निर्माण कार्य की जांच कराए जाने तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

धामपुर में चिकित्सक पर यौन शोषण, शादी का झांसा और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के धामपुर थाना क्षेत्र स्थित हबीबवाला में संचालित एक निजी क्लीनिक से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। एक युवती ने क्लीनिक संचालक चिकित्सक डॉ. फैजान पर यौन शोषण, शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने तथा धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का आरोप है कि वह हबीबवाला स्थित एक क्लीनिक में गायनाकोलॉजिस्ट के पद पर कार्यरत थी। इसी दौरान डॉ. फैजान ने उसे विश्वास में लेकर शादी का आश्वासन दिया और उसके साथ संबंध स्थापित किए। शिकायत में युवती ने यह भी आरोप लगाया है कि एक अवसर पर आरोपी ने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। युवती के अनुसार जब उसने इस संबंध में पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने विवाह का भरोसा दिया, जिसके बाद दोनों साथ रहने लगे। पीड़िता का आरोप है कि वह गर्भवती हो गई, लेकिन बाद में आरोपी ने उससे दूरी बना ली और गर्भपात कराने का दबाव बनाने लगा। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी पहले से विवाहित है और उसने अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाकर उसे धोखे में रखा। युवती ने यह आरोप भी लगाया है कि उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया गया। पीड़िता ने थाना प्रभारी धामपुर को लिखित शिकायत देकर आरोपी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। मामले की जानकारी मिलने पर विभिन्न सामाजिक एवं हिंदू संगठनों के पदाधिकारी भी थाने पहुंचे और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। इस दौरान हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व मंडल प्रभारी डॉ. एन.पी. सिंह सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य और साक्ष्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

धामपुर रेलवे स्टेशन पर टाइल्स गिरने के बाद कील ठोंकने का अभियान शुरू, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में एसडीएम आवास के बाहर लगे बिजली के ट्रांसफार्मर में अचानक भीषण आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ट्रांसफार्मर से उठती आग की ऊंची लपटों और धुएं को देखकर आसपास के लोगों एवं राहगीरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग देखते ही लोगों ने तत्काल विद्युत विभाग एवं अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ट्रांसफार्मर में आग लगने के कारण आसपास के क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विद्युत विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेते रहे। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया,

जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और न ही किसी जनहानि की सूचना है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। विद्युत विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलकर बिजली आपूर्ति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

फव्वारे के पाउंड में घुसकर नारे लगाने वाली युवती निकली मानसिक रूप से अस्वस्थ

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के झंडा चौक स्थित फव्वारे में खड़े होकर नारे लगाने और हंगामा करने वाली युवती के मामले में पुलिस जांच के बाद नया तथ्य सामने आया है। पुलिस के अनुसार संबंधित युवती मानसिक रूप से अस्वस्थ पाई गई है। बताया जाता है कि युवती ने पहले बड़े बड़े गमले उठाकर फेंक कर तोड़े। फिर अचानक झंडा चौक स्थित फव्वारे में उतर गई और वहां खड़े होकर नारे लगाने लगी। घटना को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने युवती एवं उसके परिजनों से जानकारी जुटाई। जांच में युवती के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को नोटिस जारी कर युवती की उचित देखभाल एवं निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच पूरी कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही परिजनों को भी युवती की सुरक्षा और उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। घटना के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति या कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हुई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी घटना को साझा करते समय तथ्यों की पुष्टि अवश्य करें।

आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन का प्रदर्शन, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन की जिला इकाई ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तैनात अधिकारियों और चिकित्सकों पर आशा कार्यकताओं के साथ अभद्र व्यवहार एवं उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जिलाध्यक्ष संगीता देवी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचीं और अपनी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि सीएचसी में तैनात अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार का व्यवहार आशा कार्यकताओं के प्रति सम्मानजनक नहीं है। संगठन का दावा है कि उनके खिलाफ पूर्व में भी शिकायतें और स्थानांतरण संबंधी कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ है।

आशा कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि डॉ. जितेंद्र कुमार द्वारा कई बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जाता है, जिससे कार्यकताओं का मनोबल प्रभावित होता है। वहीं डॉ. रजनी द्विवेदी पर भी आशा बहनों के साथ अभद्र व्यवहार करने और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं।

ज्ञापन में नसबंदी शिविर की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाए गए। संगठन का कहना है कि शिविर में आने वाली महिलाओं को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा और उन्हें पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। इससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आशा कार्यकताओं ने कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करती हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सम्मान के बजाय उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिकायतों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में जिला महामंत्री रुचि चौधरी, रजनी देवी, कविता शर्मा, प्रेमलता, अनिता सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

मांगों को लेकर पंचायत सहायकों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन उत्तर प्रदेश के बैनर तले मंगलवार को पंचायत सहायकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान पंचायत सहायकों ने सरकार से मानदेय वृद्धि सहित पांच प्रमुख मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पंचायत सहायक ग्राम पंचायतों में डिजिटल सेवाओं, सरकारी योजनाओं के संचालन, अभिलेखों के संधारण एवं जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें मात्र 6 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में पर्याप्त नहीं है। ज्ञापन में पंचायत सहायकों ने अपना मानदेय बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह करने अथवा न्यूनतम कुशल श्रमिक मजदूरी के अनुरूप भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा अनुबंध प्रणाली समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली लागू करने, विवाह उपरांत महिला पंचायत सहायकों के स्थानांतरण की व्यवस्था करने, ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी की भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण देने तथा पंचायत सहायकों एवं उनके परिवारों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान पंचायत सहायकों ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। उनका कहना था कि ग्राम पंचायत स्तर पर शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेश के समस्त पंचायत सहायक आगामी 15 जून 2026 को लखनऊ स्थित ईको गार्डेन में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में पंचायत सहायकों ने भाग लेकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया।

मुंडन संस्कार से लौट रहे परिवार पर टूटा कहर

कार की टक्कर से किसान की मौत, दो गंभीर घायल

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में सिकंदरपुर-अकबराबाद रोड पर मंगलवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब हरिद्वार से एक बच्चे का मुंडन संस्कार कराकर लौट रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 20 लोग सवार थे, जो धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली सिकंदरपुर-अकबराबाद मार्ग पर पहुंची, पीछे से तेज गति से आ रही कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर पर सवार कई लोग उछलकर गिर पड़े और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में ग्राम रामपुर निवासी 55 वर्षीय रामचंद्र सिंह पुत्र घासी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वहीं हादसे में घायल केशव और सचिन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा कार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

मृतक रामचंद्र सिंह खेती-किसानी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी मौत की खबर से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

जल जीवन मिशन के तहत राहगीरों को मिला शीतल पेयजल

भीषण गर्मी में विंध्या टेलीलिंक ने चलाया राहत अभियान

बिजनौर (सब का सपना):- भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन के अंतर्गत विंध्या टेलीलिंक द्वारा नजीबाबाद क्षेत्र में शीतल पेयजल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राहगीरों, मजदूरों और श्रमिकों को ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया गया तथा उन्हें लू और हीट स्ट्रोक से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

कंपनी के वरिष्ठ महाप्रबंधक विजेंद्र कौशिक के निदेर्शानुसार आयोजित इस जनहितकारी अभियान में अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में लोगों को शीतल पेयजल वितरित किया। साथ ही लोगों को गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, तेज धूप से बचने तथा कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन करने की सलाह दी गई।

इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक विजेंद्र कौशिक ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में जरूरतमंद लोगों तक राहत पहुंचाना कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। जल जीवन मिशन केवल जलापूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के स्वास्थ्य और जीवन सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय हाडू ने कहा कि बढ़ता तापमान और लू की स्थिति आज एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। ऐसे समय में लोगों को जागरूक करना और राहत उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। कार्यक्रम में प्रबंधक कौशल सिंह, सुनील कुमार, कृष्णानंद नैनवाल, अजीत सिंह, करन यादव, संजय कुमार, शिवम कुमार, महेश कुमार, गुलसेफ, नरपाल सिंह, नीरज कुमार, धीर सिंह सहित ब्लॉक हेड प्रज्ञावान के मोहम्मद सुहैल एवं अक्षय त्यागी तथा अन्य टीम सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कंपनी के सुरक्षा अधिकारी शानै अब्बास ने लोगों को डिहाइड्रेशन और गर्मी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में शीतल पेयजल वितरण अभियान राहत पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा और सहयोग का सकारात्मक संदेश भी दे रहा है।

बिजली दर वृद्धि वापस लेने पर मुख्यमंत्री का आभार, यूरिया संकट पर आंदोलन की चेतावनी

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के नेता चौधरी कुलदीप गुड्डू ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली दरों में प्रस्तावित 10 प्रतिशत वृद्धि वापस लेने के निर्णय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया है। तहसील सभागार शिकारपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित किसान समस्याओं की बैठक में संगठन ने बिजली दर वृद्धि पर पुनर्विचार की मांग उठाई थी। संगठन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर किसान, मजदूर एवं आमजन हित में बढ़ोतरी समाप्त करने की मांग की थी। चौधरी कुलदीप गुड्डू ने कहा कि सरकार के इस जनहितकारी निर्णय का संगठन स्वागत करता है। साथ ही उन्होंने जनपद में यूरिया की कमी और वितरण व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद किसानों को समय पर यूरिया नहीं मिल रहा है।

उन्होंने जिला प्रशासन से दो दिन के भीतर सभी समितियों पर यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की है। मांग पूरी न होने पर जिला मुख्यालय पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह का किया गया आयोजन

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- देवनगरी महाविद्यालय गुलावठी बुलंदशहर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बनवारी लाल की 41 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत होने पर महाविद्यालय में विदाई तथा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति, प्राचार्य, शिक्षक संघ तथा सहायक स्टॉफ द्वारा माल्यार्पण कर उन्हें अंगवस्त्रम, रामचरित मानस तथा अन्य उपहार भेंट किए गए। प्रबंध समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह

लौर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बनवारी लाल की सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सचिव सुनील कुमार गोयल ने उन्हें जीएलआईसी का चेक सौंपा।

प्राचार्य डॉ महेंद्र कुमार, प्रबंध तंत्र कार्यकारिणी के संजय कंसल, सचिन कुमार, डी एन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ मंजीर हुसैन सिद्दीकी, महाविद्यालय शिक्षक संघ के सचिव डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, पीयूष त्रिपाठी, डॉ संदीप कुमार सिंह, डॉ भवनीत सिंह बत्रा, अंकित गोयल, हरद्वारी लाल तथा अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एकता सम्मेलन में संगठन मजबूती पर जोर

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय लोकदल द्वारा स्याना स्थित नवरत्न मैरिज होम में एकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए रालोद के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता और हमारा भगवान है। रालोद खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी

नीरपाल सिंह ने कहा कि युवा संगठन की रीढ़ हैं और उनके सहयोग से पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। राष्ट्रीय सचिव प्रबुद्ध कुमार ने बताया कि जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे कार्यकताओं में उत्साह बढ़ रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पंकज प्रधान ने की तथा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव राजीव चौधरी, प्रो. ब्रह्म सिंह, पूर्व विधायक दिलनवाज खान, ओ.डी. त्यागी, विनय प्रधान, अमित त्यागी, कुलदीप राठी एवं इंद्रवीर भाटी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन योगेंद्र लोधी ने किया।

21 पव्वा देसी शराब के साथ एक गिरफ्तार

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना सलेमपुर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांव मुकैरा निवासी कुंवरपाल सिंह पुत्र बिन्नामी सिंह को गांव के रास्ते से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 21 पव्वा देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

अरसे से खराब पड़ा है वाल्मीकि बस्ती का हैडपंप भीषण गर्मी में पेयजल को तरस रहे लोग

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के नगर पंचायत औरंगाबाद में वाल्मीकि बस्ती में वाल्मीकि समाज के लोगों की पेयजल आपूर्ति हेतु लगवाया गया हैंडपंप नगर पंचायत की अनदेखी के चलते अरसे से खराब पड़ा हुआ है। भीषण गर्मी में पेयजल के लिए तरस रहे वाल्मीकि समाज के लोगों ने अधिशासी अधिकारी से खराब पड़े हैंडपंप को अविलंब ठीक कराये जाने की मांग की है। नगर पंचायत द्वारा वाल्मीकि बस्ती वार्ड 13 में वाल्मीकि मंदिर के बाहर एक हैंडपंप लगवाया गया था। यह हैंडपंप अरसे से खराब पड़ा हुआ है। मौहल्ले वालों ने दर्जनों बार नगर पंचायत के सर्वेसवाओं, अधिशासी अधिकारी सहित तमाम स्टाफ से और वार्ड सभासद से इस हैंडपंप को ठीक कराने की गुहार लगाई लेकिन नतीजा शून्य रहा। भीषण गर्मी में पेयजल को तरस रहे वाल्मीकि समाज के लोगों ने अधिशासी अधिकारी को एक बार फिर शिकायती पत्र देकर खराब पड़े हैंडपंप को ठीक कराने की मांग की है।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल लाई रंग, काउंसलिंग से टूटा रिश्ता फिर जुड़ा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संचालित महिला सैल/परिवार परामर्श केंद्र द्वारा वैवाहिक विवादों के निस्तारण के क्रम में मंगलवार को एक दंपति के पारिवारिक विवाद का सफल समाधान कराया गया। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों की समस्याएं सुनकर आपसी सहमति से सुलह कराई गई। दंपति ने नवजीवन की नई शुरूआत करते हुए साथ रहने का निर्णय लिया। प्रभारी महिला सैल एवं काउंसलरों ने दोनों को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम और विश्वास बनाए रखने की सलाह दी।

प्रीपेड मीटर के बिल 3 जून तक नहीं मिले तो हेल्प डेस्क पर करें संपर्क

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- स्मार्ट मीटर का प्रीपेड से पोस्टपेड में परिवर्तन का काम पूरा हो गया है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मेरठ समेत 14 जनपदों में 10 जून तक उपभोक्ताओं के पास बिल पहुंचा दिए जाएंगे। नगरीय वितरण खंड वाणिज्य के अधिशासी अभियंता सौरभ मंगल ने बताया कि अधिकतर उपभोक्ताओं के पास उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर प्रीपेड से पोस्टपेड में परिवर्तन का मैसेज पहुंच गया है। अगर उपभोक्ताओं को 3 जून तक बिल संबंधी मैसेज नहीं मिले तो वह हेल्पलाइन नंबर 1912 हेल्प डेक्स या कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।स्मार्ट मीटर के उपभोक्ताओं को ऑनलाइन माध्यम से बिजली का बिल मिलेगा। नगर में ज्यादातर उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगा चुके हैं उनके घर पर मीटर रीडर रीडिंग लेने नहीं जाएगा '

आईटीआई प्रवेश में आरक्षण और वरीयता का लाभ जारी, कर्मचारियों के परिजनों और खिलाड़ियों को अतिरिक्त अंक

लखनऊ। प्रदेश की राजकीय, पीपीपी मॉडल और निजी आईटीआई में प्रवेश के दौरान आरक्षण और विशेष वरीयता की व्यवस्था पहले की तरह लागू रहेगी। शासन द्वारा जारी व्यवस्था के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों को निर्धारित नियमों के तहत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था भी प्रभावी रहेगी। राजकीय आईटीआई और राजकीय आईटीआई-पीपीपी संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमशीलता विभाग के नियमित या सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पुत्र, पुत्री, पति या पत्नी को प्रवेश प्रक्रिया में विशेष वरीयता दी जाएगी। ऐसे अभ्यर्थियों के मेरिट अंकों में 10

अतिरिक्त अंक जोड़े जाएंगे। राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को भी तीन अतिरिक्त अंक की वरीयता मिलेगी। इसके लिए संबंधित खिलाड़ी के पास मान्यता प्राप्त खेल संघ द्वारा जारी प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य होगा। उद्योगों द्वारा नामित कार्यरत कर्मचारियों के लिए भी विशेष व्यवस्था जारी रहेगी। राजकीय आईटीआई और भारत सरकार की सहायता प्राप्त पीपीपी योजना से संचालित आईटीआई में संस्थान प्रबंधन समिति (आईएमसी) कोटे की सीटों पर प्रवेश पूर्व निर्धारित शासनादेशों के अनुसार ही किया जाएगा। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उन अभ्यर्थियों को, जो एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण के दायरे में नहीं आते हैं, 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। यह आरक्षण राज्य सरकार द्वारा जारी प्रविधानों के अनुसार लागू होगा।

उत्तर प्रदेश की आईटीआई में प्रवेश के दौरान आरक्षण और विशेष वरीयता की व्यवस्था पहले की तरह लागू रहेगी।

दिल्ली रिज की सुरक्षा के लिए रिज मैनेजमेंट बोर्ड का पुनर्गठन, एलजी का हरित विरासत और पर्यावरणीय संतुलन पर जोर

नई दिल्ली। राजधानी की हरित विरासत और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करने के उद्देश्य से उपराज्यपाल टीएस संधू ने दिल्ली रिज मैनेजमेंट बोर्ड (डीआरएमबी) के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 और सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के अनुरूप गठित इस नए बोर्ड का उद्देश्य दिल्ली रिज क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षण और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना है। पुनर्गठित बोर्ड की अध्यक्षता मुख्य सचिव करेंगे, जबकि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष सदस्य होंगे। इसके अलावा पर्यावरण, वन एवं

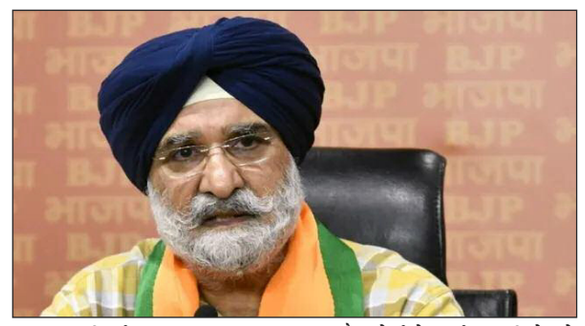

जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, एमसीडी, एनडीएमसी, दिल्ली पुलिस, सीपीडब्ल्यूडी, राजस्व विभाग और पर्यावरण एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी बोर्ड में शामिल किए गए हैं। बोर्ड में पर्यावरण विशेषज्ञों और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को भी जगह दी गई है। सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी अरविंद माधव सिंह और संकला फाउंडेशन की निदेशक डॉ. मालविका कौल को गैर-सरकारी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। रिज क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध गतिविधियों और पर्यावरणीय क्षति पर त्वरित कार्रवाई के लिए एक स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) भी गठित की गई है।

यह समिति बोर्ड के निर्देशन में काम करेगी और उसके पास डीआरएमबी के समान अधिकार होंगे। अधिकारियों का कहना है कि बहु-एजेंसी समन्वय वाले इस नए ढांचे से दिल्ली के रिज क्षेत्र की बेहतर सुरक्षा, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु अनुकूलन प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

सीबीएसई के पोर्टल पर बड़ा साइबर अटैक, 2 मिनट में आए 15 लाख हिट्स; फिर भी 16 हजार छात्रों ने किया आवेदन

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के पुनर्मूल्यांकन पोर्टल पर आज भारी ट्रैफिक के बीच साइबर हमलावरों ने लगातार हमले किए, लेकिन पोर्टल मजबूती से सेवा दे रहा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पोर्टल वर्तमान में 8,000 से अधिक समवर्ती (कॉन्करेंट) यूजर्स को सपोर्ट कर रहा है। दोपहर 3 बजे तक 16,000 से ज्यादा छात्र सफलतापूर्वक अपने पुनर्मूल्यांकन आवेदन जमा कर चुके हैं। हजारों छात्रों ने आज पोर्टल का उपयोग किया, लेकिन इसी दौरान दुर्भावनापूर्ण तत्वों ने सेवाओं को बाधित करने का प्रयास किया। सबसे ताजा घटना में दो मिनट के अंदर पोर्टल पर 15 लाख हिट्स दर्ज किए गए, जो एक स्पष्ट डिनायल ऑफ सर्विस (डीओएस) अटैक था। हमला के

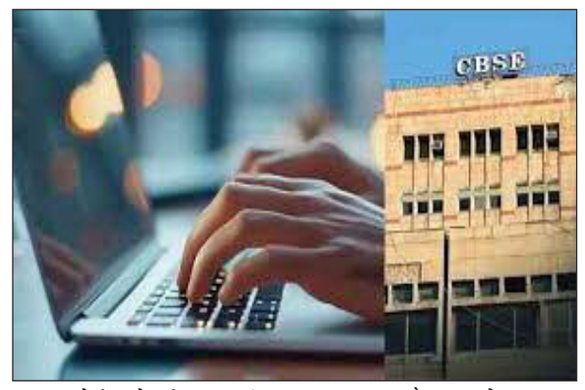

बावजूद पोर्टल को पूरी तरह सुरक्षित और चालू इसके अलावा, 1 लाख से अधिक अनधिकृत फाइल एक्सेस के प्रयास भी सामने आए। उइरए की टीम ने इन हमलों का सामना करते हुए पोर्टल को पूरी तरह सुरक्षित और चालू रखा। छात्रों की फीडबैक के आधार पर प्लेटफॉर्म को और बेहतर बनाया गया है। अब सेशन टाइम लिमिट बढ़ा दी गई है, जिससे छात्रों को अपनी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक और निर्बाध तरीके से पूरी करने में मदद मिल रही है। उइरए ने छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी टीमों को पूरी तरह अलर्ट रखा है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि छात्रों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पोर्टल पर भारी लोड और साइबर हमलों के बावजूद सेवा बिना रुके जारी है, जो बोर्ड की तकनीकी मजबूती को दशार्ता है। छात्रों से अपील की गई है कि वे आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही आवेदन करें और किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर हेल्पलाइन से संपर्क करें। सीबीएसई का कहना है कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और छात्र-हितैषी रखी गई है। टीमों की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया के कारण हमलों के बावजूद हजारों छात्र अपना काम समय पर पूरा कर पा रहे हैं। बोर्ड ने आश्वासन दिया है कि छात्रों की सुविधा के लिए निरंतर निगरानी और सुधार किए जा रहे हैं।

दिल्ली में जल्द शुरू होगा ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन, समय पर होंगे काम; बुराड़ी आरटीओ पहुंचीं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने नागरिकों को बेहतर और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए बुराड़ी स्थित परिवहन विभाग की विभिन्न इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डीटीओ (ज़िला परिवहन कार्यालय), व्हीकल इंस्पेक्शन यूनिट, व्हीकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन का दौरा कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं, सेवा वितरण व्यवस्था और कार्यालयों में कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आम लोगों को किसी प्रकार की

असुविधा न हो और सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी तथा समयबद्ध बनाया जाए। जल्द पूरा किया जाएगा ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन इस दौरान ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (ATS) के निर्माण कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को आधुनिक और तकनीक आधारित वाहन परीक्षण सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराई जा सकें। निरीक्षण के बाद कहा गया कि दिल्लीवासी सरकारी दफ्तरों में अपनी समस्याओं के समाधान और जरूरी सेवाओं के लिए आते हैं। ऐसे में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक सेवा सुगम, पारदर्शी और तय समय के भीतर उपलब्ध कराई जाए। सरकार ने दोहराया कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की कमी मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही जहां लापरवाही या अनियमितता सामने आएगी, वहां संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

सरकार का कहना है कि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए ऐसे औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे, जिससे सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

सीबीएसई के खिलाफ एनएसयूआई ने दिल्ली एचसी में दी दस्तक, ऑन-स्क्रीन मार्किंग को लेकर दायर की पीआईएल

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि सीबीएसई की ओर से लाए गए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) के चलते बड़े पैमाने पर छात्र-छात्राओं को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। यह पीआईएल एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद झाखड़ की ओर से दायर की गई है। कोर्ट के माध्यम से याचिकाकर्ता ने अपील की है कि ओएसएम सिस्टम की नाकामियों के बाद उठे सवालों, तकनीकी खामियों और ग्रिवांस संबंधी असफलताओं की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की जाए। इसी के साथ एनएसयूआई ने दावा किया है कि बारहवीं की परीक्षा में लाखों की संख्या में शामिल स्टूडेंट्स के साथ हुए अन्याय को देखते हुए यह पीआईएल दायर की गई है।

दिल्ली के साई हत्याकांड में स्वजनों ने छतरपुर लालबत्ती पर शव रख किया प्रदर्शन, बोले- आरोपितों को मिले फांसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिला के अमर कॉलोनी में 26 मई को गोलिकांड में घायल साई कुमार की मौत के दूसरे दिन मंगलवार को शव पहुंचाया गया। परिवार आरोपितों के एनकाउंटर की मांग कर रहा है। क्राइम ब्रांच अब तक नाबालिग मुख्य आरोपित समेत तीन को पकड़ चुकी है। वहीं, एक नाबालिग अभी भी है फरार। वारदात से नाराज स्वजनों व स्थानीय लोगों ने छतरपुर लालबत्ती पर युवक का शव रखकर ने प्रदर्शन किया। वे आरोपितों को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। काफी देर तक बनी रही हंगामे की स्थिति शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को पुलिस ने बहुत समझाने का प्रयास किया। हालांकि, वे अपनी मांग पर अड़े रहे। इस बीच सड़क पर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। बता दें कि दक्षिण-पूर्वी जिला के अमर कॉलोनी इलाके के एक रेस्तरां में युवती को घूरने का विरोध करने पर 17 साल किशोर के सिर में गोली मारने के मामले को पुलिस आयुक्त ने जिला पुलिस से हटाकर क्राइम ब्रांच को सौंप दी था।

...ताकि वयस्क के रूप में मुकदमा

इसके साथ ही, पुलिस इस मामले में पकड़े गए मुख्य आरोपित 16 साल

के किशोर के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में एक याचिका दायर करने पर विचार कर रही है, ताकि अपराध की गंभीरता और उसके आपराधिक इतिहास को देखते हुए उस पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाया जा सके। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, वारदात में मुख्य आरोपित ओखला के श्याम नगर का रहने वाला 16 साल का किशोर है। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपित समेत तीन अन्य उसके साथ थे। फिलहाल, इनमें से एक नाबालिग फरार चल रहा है। किशोरी ने बताई थी सारी बात इस संबंध में किशोरी ने पुलिस को बताया था कि वह अपने दोस्त के साथ रेस्तरां में बैठी थी। तभी वहां मौजूद लड़कों में से एक ने उसकी बगल वाली कुर्सी के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी और घूरना शुरू कर दिया। जब साई ने इस पर आपत्ति जताई, तो वह लड़का साई को घूरने लगा और उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। सिर में पीछे से मार दी गोली साई ने किशोरी से कहा कि वह जल्दी से खाना खत्म कर वहां से निकल जाए। इस बीच आरोपित भी कुछ देर के लिए वहां से चले गए लेकिन थोड़ी ही देर बाद वे वापस लौट आए।

युवती के अनुसार, जिस लड़के ने साई को गाली दी थी, उसने साई के सिर के पीछे गोली मार दी। वारदात के बाद वहां मौजूद लोगों ने जब उन लोगों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वे हवा में हथियार लहराते हुए फरार हो गए।

खबर एक्सप्रेस

'तेरे से बात नहीं कर रहा, दफा हो...'; रोहतक SP पर फूटा विधायक अर्जुन चौटाला का गुस्सा

रोहतक। महंगाई व भ्रष्टाचार के विरोध में इनेलो की ओर से सोमवार को आयोजित प्रदर्शन के दौरान डीसी कार्यालय के बाहर हंगामा हुआ। इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिला सचिवालय पहुंचे, जहां पुलिस व कार्यकताओं में नोकझोंक हुई। करीब चार घंटे के इंतजार के बाद जैसे ही डीसी सचिन गुप्ता और गौरव राजपुरोहित ज्ञापन लेने सचिवालय के गेट पर पहुंचे तो अर्जुन ने संयम खो दिया। विधायक और एसपी की कहासुनी हो गई। विधायक अर्जुन जब डीसी से इंतजार करवाने की बात करने लगे तभी एसपी बोल पड़े। इस पर विधायक ने एसपी से कहा- मैं तेरे से बात नहीं कर रहा। एसपी से इतना कहकर उन्होंने डीसी को कहा कि पकड़ अपना ज्ञापन और वहां से चल दिए।तभी एसपी मौके से जाने लगे तो विधायक ने उनसे कहा कि चल दफा हो। इस पर एसपी ने पलट कर देखा, पर डीसी उन्हें साथ लेकर चले गए। बता दें कि विधायक अर्जुन चौटाला दोपहर एक बजे फिर डीसी से मिलने आगे बढ़े, पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया व महिलाकर्मी तैनात कर दीं। प्रदर्शनकारी आगे नहीं बढ़ सके तो कार्यकताओं में रोष फैल गया। डीसी से मुलाकात नहीं होने पर इनेलो कार्यकताओं ने सचिवालय के बाहर सड़क जाम कर दिया।आइपीएस एसोसिएशन ने की निंदाः घटना से नाराज हरियाणा आइपीएस एसोसिएशन ने इस व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि वे जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ खड़े हैं और समर्थन करते हैं। एक जनप्रतिनिधि ने बिना किसी उकसावे के जिला प्रशासन के अधिकारियों को डराने-धमकाने का प्रयास किया जो अत्यंत अनुचित था।

GMCH-32 के डॉक्टर की संदिग्ध मौत; ट्रॉमा सेंटर के शौचालय में मिला शव, तीन महीने पहले किया था ज्वॉइन

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच-32) में मंगलवार को एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 24 वर्षीय डॉ. योगेश का शव ट्रॉमा सेंटर स्थित एक शौचालय में मिला। डॉ. योगेश काफी देर तक शौचालय से बाहर नहीं आए तो साथियों और अस्पताल स्टाफ को संदेह हुआ। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। तुरंत उपचार के लिए ले जाया गया। डॉक्टरों ने योगेश को मृत घोषित कर दिया। वे पंजाब के जालंधर के रहने वाले थे और तीन महीने पहले ही जीएमसीएच में ज्वॉइन किया था। सूत्रों के मुताबिक घटनास्थल से पोटैशियम क्लोराइड के इंजेक्शन भी बरामद हुए हैं। सेक्टर- 34 थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

हरियाणा के सिरसा में महिला की रेबीज से मौत, ढाई माह पहले पप्पी ने काटा था

सिरसा। डबवाली के गांव देसूजोधा में 38 वर्षीय मनप्रीत कौर की संदिग्ध रेबीज संक्रमण से मौत हो गई। करीब ढाई माह पहले खेत में काम के दौरान एक नवजात पिल्ले ने उसे काट लिया था, लेकिन महिला ने इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर दिया। रविवार रात तब स्थिति गंभीर हो गई, जब प्यास लगने पर भी महिला पानी देखकर डरने लगी और गिलास को दूर हटाने लगी। यह देखकर चिकित्सकों को रेबीज का संदेह हुआ। बाद में परिवार ने ढाई माह पुरानी घटना बताई। सोमवार सुबह बठिंडा रेफर करते रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मनप्रीत कौर के पति की दो वर्ष पहले कैंसर से मौत हो चुकी है। इससे पहले अगस्त 2025 में बिज्जूवाली गांव में 38 वर्षीय वर्षा की मौत हुई थी। उसे 19 दिन पहले गली में कुत्ते ने काटा था।पानी से डरने जैसे लक्षण सामने आए थे। ऐसे में रेबीज संक्रमण की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। - डॉ. तरुण सरदाना, पशु चिकित्सक, डबवाली रेबीज संक्रमण में मरीज को पानी से डर लगना, घबराहट, बेचैनी, गले में ऐंठन, बुखार और अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कुत्ता, बंदर या किसी भी संदिग्ध जानवर के काटते ही घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए। इसके बाद बिना देरी एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाना जरूरी है। लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला को प्यास लगी, लेकिन पानी से भरा गिलास देखते ही वह घबराने लगी और उसे दूर हटाने लगी। चिकित्सकों ने जब परिवार से पूछा कि क्या उसे कभी कुत्ते या बंदर ने काटा था, तब पूरा मामला सामने आया। पशु चिकित्सक डॉ. तरुण सरदाना ने बताया कि सामान्य तौर पर जन्म के तीन माह तक पिल्ले सुरक्षित माने जाते हैं, लेकिन यदि डिलीवरी के समय कुतिया संक्रमित हो तो पिल्ले में भी रेबीज हो सकता है। ढाई माह तक नहीं लिया गंभीरता से, किसी को बताया तक नहीं मृतका के चाचा ससुर गांव देसूजोधा निवासी नंबरदार साधु राम ने बताया कि मनप्रीत कौर का घर श्मशान घाट के पास है। करीब ढाई माह पहले वह सरसों के खेत में मजदूरी करने गई थी, जहां पांच-छह दिन के नवजात पिल्ले ने उसे काट लिया। महिला ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और न ही किसी को बताया। शनिवार को तबीयत बिगड़ने पर गांव में उपचार कराया गया, लेकिन रविवार रात हालत ज्यादा खराब होने पर डबवाली के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

हरियाणा में ऐप से तलाश सकेंगे पसंद की गाय-भैंस, हर पशु का बनेगा डिजिटल प्रोफाइल; नहीं लगाने पड़ेंगे डेयरी के चक्कर

यमुनानगर। अब पशुपालकों को अच्छी नस्ल की गाय, भैंस या बकरी खरीदने के लिए पशु मेलों और डेयरियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पशुपालन विभाग मुंह-खुर और गलघोटू रोग के टीकाकरण अभियान के साथ प्रदेश के करीब 70 लाख पशुओं का डिजिटल प्रोफाइल तैयार कर रहा है। भारत पशुधन एप पर पशुओं की नस्ल, उम्र, स्वास्थ्य, टीकाकरण और दूध उत्पादन क्षमता जैसी जानकारी उपलब्ध होगी। इससे पशुपालक घर बैठे अपनी जरूरत के अनुसार पशु तलाश सकेंगे और खरीद-बिक्री की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बन सकेगी। पशुपालन विभाग ने इस बार टीकाकरण अभियान को डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ा है। प्रदेशभर में 550 से अधिक पशु चिकित्सक और 2500 पशुधन विकास सहायक (वीएलडीए) अभियान में लगे हुए हैं। टीमें गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर पशुओं को टीके लगाने के साथ उनका ऑनलाइन रिकॉर्ड भी तैयार कर रही हैं। विभाग का उद्देश्य पशुधन का प्रमाणिक और अद्यतन डेटाबेस तैयार करना है। खरीदार को अब पहले ही मिलेगी पूरी जानकारी

डेटाबेस तैयार होने के बाद पशुपालक अपनी जरूरत के अनुसार पशुओं की जानकारी आनलाइन देख सकेंगे। यदि कोई अधिक दूध देने वाली मुर्राह भैंस या किसी विशेष नस्ल की गाय की तलाश कर रहा है तो उसे संबंधित जानकारी आसानी से मिल जाएगी।इससे पशु खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता और क्षमता का आकलन किया जा सकेगा। डेयरी व्यवसायी भूपेंद्र कुमार और कुलदीप सिंह का कहना है कि यह पहल पशुपालकों के लिए काफी लाभकारी साबित होगी। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।ओटीपी सत्यापन के बाद होगा पंजीकरण

प्रत्येक पशु का आनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है। इसके लिए पशुपालक के मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाता है। सत्यापन पूरा होने के बाद ही पशु का रिकॉर्ड पोर्टल पर अपलोड होता है। विभाग का कहना है कि इससे डेटा की शुद्धता बनी रहेगी और भविष्य में योजनाओं का लाभ पात्र पशुपालकों तक पहुंचाना आसान होगा। सुरक्षित प्रक्रिया है ओटीपी सत्यापन

पशुपालन विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ. सतबीर सिंह ने बताया कि टीकाकरण के साथ पशुओं का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। ओटीपी सत्यापन पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है। पशुपालक चाहें तो टीम के पहचान पत्र की जांच कर सकते हैं। ऐसे पता चलेगा दूध उत्पादन के बारे में भारत पशुधन एप पर पशुपालक का नाम, पता और मोबाइल नंबर दर्ज किया जाएगा। साथ ही पशु का फोटो, नस्ल, रंग, उम्र, स्वास्थ्य स्थिति व दूध उत्पादन क्षमता जैसी जानकारियां भी अपलोड होंगी। टीकाकरण का रिकॉर्ड भी इसी प्लेटफार्म पर उपलब्ध रहेगा। पशु की जानकारी एक ही स्थान पर मिल सकेगी।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, जनहित और स्वास्थ्य सेवाओं से ऊपर नहीं हो सकता 'चाइल्ड केयर लीव' का अधिकार

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी का चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) मांगने का अधिकार जनहित, विशेषकर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता से ऊपर नहीं हो सकता। अदालत ने हरियाणा सरकार की एक महिला विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा 609 दिनों की चाइल्ड केयर लीव की मांग को लेकर दायर अपील पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि चिकित्सा सेवाओं में विशेषज्ञ डाक्टरों की उपलब्धता भी एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक आवश्यकता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।यह टिप्पणी जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने एक डाक्टर की अपील की सुनवाई के दौरान की। मामले के अनुसार महिला डाक्टर ने अपने बच्चे की देखभाल के लिए 609 दिनों की चाइल्ड केयर लीव की मांग की थी।सक्षम प्राधिकारी ने यह कहते हुए उनकी मांग अस्वीकार कर दी थी कि

संबंधित विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है और इतनी लंबी अवधि तक अवकाश दिए जाने से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। इस आदेश को चुनौती देते हुए महिला डाक्टर ने पहले एकल पीठ का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। एकल पीठ ने माना था कि जनहित और स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी का निर्णय उचित है। इसके बाद महिला डाक्टर ने खंडपीठ के समक्ष अपील दाखिल की। सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रारंभिक तौर पर स्पष्ट कर दिया कि चाइल्ड केयर लीव का अधिकार पूर्ण या निरंकुश अधिकार नहीं है। यदि किसी विभाग में कर्मचारियों, विशेषकर विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण जनहित प्रभावित होने की आशंका हो तो सरकार छुट्टी देने या न देने का निर्णय परिस्थितियों के अनुसार ले सकती है। हालांकि महिला डाक्टर की तरफ से अदालत को बताया कि यदि 609 दिनों की छुट्टी देना संभव नहीं है तो वह कम अवधि की चाइल्ड केयर लीव से भी संतुष्ट होंगी। उन्होंने अनुरोध किया कि इस संशोधित मांग पर सक्षम प्राधिकारी स्वतंत्र रूप से विचार करे और पूर्व में पारित आदेशों से प्रभावित हुए बिना निर्णय लिया जाए।

हरियाणा सरकार की ओर से भी इस प्रस्ताव पर कोई आपत्ति नहीं जताई। इसके बाद खंडपीठ ने मामले के व्यावहारिक समाधान का रास्ता अपनाते हुए कहा कि यदि महिला डाक्टर 300 दिनों की चाइल्ड केयर लीव के लिए नया या संशोधित आवेदन प्रस्तुत करती हैं तो संबंधित सक्षम प्राधिकारी उस पर कानून के अनुसार स्वतंत्र रूप से विचार करेगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नए आवेदन पर निर्णय लेते समय एकल पीठ के आदेश या खंडपीठ द्वारा की गई टिप्पणियों को बाधा के रूप में नहीं माना जाएगा। सक्षम प्राधिकारी उपलब्ध प्रशासनिक आवश्यकताओं, जनहित और सेवा संबंधी नियमों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र रहेगा।इस टिप्पणी के साथ हाई कोर्ट ने अपील का निपटारा कर दिया।

पंचकूला में एक्सटेंशन लेक्चरर्स का प्रदर्शन; हवन कर सरकार को जगाया, 15 जून तक का अल्टीमेट

पंचकूला। प्रदेशभर से आए एक्सटेंशन लेक्चरर्स ने मांगों को लेकर मंगलवार को सेक्टर-5 स्थित उच्चतर शिक्षा निदेशालय मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। शांतिपूर्ण हवन-यज्ञ कर लंबित मांगों पर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। चेतावनी दी कि यदि 15 जून तक एक्ट लागू नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। पंचकूला पुलिस प्रशासन ने एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात उच्चतर शिक्षा विभाग के महानिदेशक से करवाई, जहां एक्सटेंशन लेक्चरर्स की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने महानिदेशक के समक्ष सर्विस सिक्योरिटी एक्ट को जल्द लागू करने की मांग रखते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों से यह मामला लंबित है। 7-8 वर्षों से वेतन में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जिससे अध्यापक आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।उन्होंने डीए सहित अन्य आर्थिक और प्रशासनिक लाभ भी प्रदान करने की मांग उठाई। लंबे समय से सेवा दे रहे एक्सटेंशन लेक्चरर्स को अब तक पर्याप्त सेवा सुरक्षा और वित्तीय लाभ नहीं मिल पाए हैं। उन्होंने सरकार से जल्द समाधान निकालने की अपील की।एसोसिएशन ने इस बैठक को सकारात्मक बताया। वहीं, एक्सटेंशन लेक्चरर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा से उनके चंडीगढ़ स्थित आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को जॉब सिक्योरिटी एक्ट को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। प्रमुख मांगें सर्विस सिक्योरिटी एक्ट को तत्काल प्रभाव से अधिसूचित किया जाए। पिछले 7-8 वर्षों से लंबित वेतन वृद्धि का समाधान किया जाए। एक्सटेंशन लेक्चरर्स को नियमित कर्मचारियों के समान आर्थिक एवं विभागीय लाभ दिए जाएं।

645 करोड़ के आईडीएफसी बैंक घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन, कारोबारी विक्रम वाधवा गिरफ्तार; चार दिन की रिमांड पर

चंडीगढ़। 645 करोड़ रुपये के आइडीएफसी बैंक घोटाले में सीबीआइ के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट कारोबारी व होटलियर विक्रम वाधवा को गिरफ्तार किया है। वाधवा को चंडीगढ़ और हरियाणा में हुए करोड़ों के घोटाले में पहले ही सीबीआइ गिरफ्तार कर चुकी थी और अब ईडी ने भी उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पंचकूला कोर्ट से उसका चार दिनों का रिमांड भी हासिल कर लिया गया है। ईडी को जांच में पता चला है कि आरोपित ने हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ निगम के साथ साथ चंडीगढ़-पंचकूला के दो निजी स्कूलों के बैंक खातों से भी करोड़ों का गबन किया। ईडी के अनुसार सरकारी फंड की हेराफेरी से जुड़े इस मामले में विक्रम वाधवा के निजी खाते में 70 करोड़ रुपये से अधिक की रकम पहुंची थी, जिसे बाद में अलग-अलग कंपनियों और संपत्तियों में लगाया गया। पूरे घोटाले में वाधवा मुख्य आरोपितों में शामिल ईडी के मुताबिक इस पूरे घोटाले में विक्रम वाधवा मुख्य आरोपितों में शामिल है। उस पर रिभव ऋषि, अभय कुमार, बैंक अधिकारियों व कुछ सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी का आरोप है।जांच एजेंसी का दावा है कि वाधवा ने अवैध रकम को छिपाने, अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने और उसे वैध दिखाने में अहम भूमिका निभाई। गबन की रकम को कई शेल कंपनियों के जरिए घुमाया। इनमें कैपको फिनटेक सर्विसेज, स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट्स, आरएस ट्रेडर्स और एसआरआर प्लानिंग गुरुस प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों के नाम हैं। एजेंसी के अनुसार इनके खातों में सरकारी विभागों से पैसे ट्रांसफर किए गए। ईडी की जांच में सामने आया कि आरोपितों ने करोड़ों रुपये ट्राइसिटी के कई ज्वेलर्स को भेजे और नकदी हासिल की।

कुरुक्षेत्र में आयुष्मान योजना पर संकट, 4 जून की रात से निजी अस्पतालों में इलाज बंद करने का फैसला

कुरुक्षेत्र। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने चार की रात्रि या पांच जून की सुबह को आयुष्मान योजना के तहत मरीजों का उपचार बंद करने का ऐलान एक बार फिर से किया है। आइएमए के पूर्व प्रधान ड. सुरेंद्र मेहता के मेहता नर्सिंग होम पर आइएमए की बैठक हुई। बैठक के बाद चिकित्सकों ने बताया कि आठ माह से आयुष्मान योजना में इलाज देने वाले अस्पतालों का बकाया नहीं दिया गया है। चिकित्सकों ने बताया कि जिले के निजी अस्पतालों को 45 करोड़ रुपये बकाया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सुरेंद्र मेहता ने कहा कि फरवरी 2025 में सरकार के साथ आइएमए का एमओयू हुआ

था, जिसमें 15 दिन के अंदर-अंदर आयुष्मान योजना में इलाज देने वाले मरीजों की पेमेंट जारी करने का आश्वासन दिया गया था। मगर ऐसा नहीं हो रहा।उन्होंने कहा कि इस योजना में वर्ष 2024 के बाद जब चिरायु कार्ड बने उसके बाद समस्या आनी शुरू हुई, जब एक बड़ी संख्या में लोगों के कार्ड बना दिए गए। सरकार ने फरवरी में आश्वासन दिया था कि अप्रैल तक पेमेंट आ जाएगी मगर ऐसा नहीं हुआ।अब जनवरी 2026 से निजी अस्पताल संचालकों की पेमेंट बकाया है। आइएमए भी चाहती है कि सरकार के साथ चलें। मगर इसके लिए विशेष तौर पर चिकित्सक लगाएं ताकि बकाया दिया जा सके। चार की रात को या पांच की सुबह से मरीज लेने बंद करने पड़ेंगे। इस दौरान अग्रवाल नर्सिंग होम से डॉ. अमन अग्रवाल, नंन लाल अस्पताल से डा. अंशुल ग्रोवर, श्रीबालाजी आरोग्यम अस्पताल से डा. अनुराग कौशल, मेहता नर्सिंग होम से डा. सुरेंद्र मेहता, डॉ. प्रियंका गुप्ता मौजूद रहे।

ऋषिकेश में आज से अखिल भारतीय महापौर परिषद का सम्मेलन, करनाल की मेयर रेणु बाला करेंगी अध्यक्षता

करनाल। देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा ऋषिकेश में तीन जून से अखिल भारतीय महापौर परिषद के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शंखनाद होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए ऋषिकेश नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। ऋषिकेश के नटराज होटल में आयोजित होने वाले इस वैचारिक महाकुंभ की अध्यक्षता अखिल भारतीय महापौर परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं करनाल (हरियाणा) की महापौर श्रीमती रेणु बाला गुप्ता करेंगी। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा। तैयारियों में झलक रहा उत्साह

मंगलवार को अखिल भारतीय महापौर परिषद की अध्यक्ष रेणु बाला गुप्ता ने तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि यह सम्मेलन देश के शहरी विकास के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मैं हरियाणा की उस वीर धरा और दानवीर कर्ण की नगरी करनाल से देवभूमि की इस पवित्र भूमि पर एक विजन लेकर आई हूँ। जिस तरह मां

गंगा सबको जीवन देती हैं, उसी तरह हमारे समस्त नगर निगमों को भी जन-सेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा।महापौर ने बताया कि सम्मेलन के लिए देशभर के लगभग 60 शहरों के महापौर ऋषिकेश पहुंच रहे हैं। करनाल की तर्ज पर अन्य शहरों में भी 'स्मार्ट सिटी' और 'स्वच्छता' के बेहतरीन मॉडल कैसे लागू हों जैसे बहुआयामी विषयों पर मेयर रेणु बाला गुप्ता विशेष रूप से अपने अनुभव साझा करेंगी। लोक-संस्कृति का दिखेगा रंग सम्मेलन के लिए ऋषिकेश नगर निगम द्वारा आयोजन स्थल और प्रमुख चौराहों को विशेष रूप से सजाया गया है। दो दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में मुख्य रूप से तीन सत्र आयोजित होंगे, जिनमें स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और नगर निकायों के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों पर देश के शीर्ष प्रतिनिधि मंथन करेंगे। आयोजन से जुड़े विशेष आकर्षण के रूप में सभी अतिथि महापौर त्रिवेणी घाट पर होने वाली भव्य गंगा आरती में सम्मिलित होंगे। इसके साथ ही उत्तराखंड की समृद्ध लोक-संस्कृति और पारंपरिक कार्यक्रमों के माध्यम से मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। सम्मेलन के समापन सत्र में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत और कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा की उपस्थिति विशेष रहेगी।

निरोधात्मक हिरासत पर हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, आदेश से पहले दर्ज नई एफआईआर भी बन सकती है वैधता का आधार

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने निरोधात्मक हिरासत (प्रिवेंटिव डिटेंशन) से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी आरोपित के खिलाफ हिरासत आदेश पारित होने से ठीक पहले नया आपराधिक मामला दर्ज हुआ हो, तो अदालत उसकी वैधता की जांच करते समय उस एफआईआर पर भी विचार कर सकती है, भले ही वह मामला मूल रूप से हिरासत आदेश पारित करते समय अधिकारियों के रिकार्ड का हिस्सा न रहा हो। अदालत ने कहा कि यदि बाद में सामने आया तथ्य हिरासत की आवश्यकता को और अधिक मजबूत करता है तो उसे केवल तकनीकी आधार पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जस्टिस जसजीत सिंह बेदी ने यह टिप्पणी एक याचिका खारिज करते हुए की, जिसमें याचिकाकर्ता ने एक दिसंबर 2025 के निरोधात्मक हिरासत आदेश तथा छह फरवरी 2026 को उसके अनुमोदन को चुनौती दी थी।याचिकाकर्ता को अवैध मादक पदार्थ एवं मन प्रभावी पदार्थों की तस्करी रोकथाम अधिनियम (पीआईटी-एनडीपीएस) के तहत छह माह के लिए हिरासत में रखने का आदेश दिया गया था। याचिकाकर्ता का तर्क था कि हिरासत आदेश केवल तीन एनडीपीएस मामलों के आधार पर पारित किया गया था, इसलिए चौथी एफआईआर, जो हिरासत आदेश से पहले दर्ज तो हुई लेकिन अधिकारियों द्वारा विचार किए गए रिकार्ड का हिस्सा नहीं थी, उसे बाद में आदेश को सही ठहराने

के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।दूसरी ओर राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि चौथी एफआईआर हिरासत आदेश से कुछ दिन पहले दर्ज हुई थी और इससे यह निष्कर्ष और मजबूत होता है कि आरोपी को निरोधात्मक हिरासत में रखना आवश्यक था। रिकार्ड के अनुसार सिरसा जिले के डबवाली सिटी थाना क्षेत्र में आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुल चार मामले दर्ज हुए थे। जस्टिस बेदी ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि आरोपित बार-बार नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में गिरफ्तार हुआ, जमानत पर रिहा हुआ और उसके बाद उसके खिलाफ नए मामले दर्ज होते गए। अदालत ने कहा कि घटनाक्रम की पूरी श्रृंखला आरोपी के व्यवहार का एक स्पष्ट पैटर्न दर्शाती है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यदि किसी निरुद्ध व्यक्ति के पक्ष में आने वाले बाद के घटनाक्रम, जैसे किसी मामले में कैंसिलेशन रिपोर्ट, को हिरासत आदेश की वैधता जांचते समय ध्यान में रखा जा सकता है, तो ऐसे तथ्यों को भी देखा जा सकता है जो हिरासत की आवश्यकता को और अधिक पुष्ट करते हों। कोर्ट ने कहा कि चौथी एफआईआर का पंजीकरण ही यह दशार्ने के लिए पर्याप्त है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा पारित निरोधात्मक हिरासत आदेश उचित था। फैसले में अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि आरोपी के खिलाफ 27 नवंबर 2025 को दर्ज चौथी एफआईआर और उसके विरुद्ध लगातार सामने आए मामलों को देखते हुए निरोधात्मक कार्रवाई पूरी तरह न्यायसंगत थी। इसी आधार पर हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए हिरासत आदेश को बरकरार रखा।

तपती गर्मी और सुरक्षा

गर्मियाँ आते ही ठंडा वातावरण मन को भाने लगता है। घर और कार्यालयों को भी ठंडा रखने की कवायदें शुरू हो जाती हैं, लेकिन पूरे समय तो आप घर या दफ्तर की चहारदीवारी से घिरे नहीं रह सकते तो कौन से सुरक्षा के तरीके अपनाएँ, जब बाहर सूर्य से मुकाबला करना हो, आइए जानें।

■ **उबला पानी :** अक्सर पानी का बदलाव शरीर पर दुष्प्रभाव छोड़ता है। इससे बचने के लिए अपने साथ उबला हुआ पानी ले जाएँ या सादे पानी में एक हल्दी की गाँठ डाल लें।

■ **नीबू, नमक, शकर और खाने का सोडा :** अपने साथ नीबू, शकर, नमक व खाने का सोडा भी रखें। जब अधिक गर्मी सताए या जी मिचलाए तो एक कप पानी में एक चम्मच शकर, नीबू का रस व एक चुटकी सोडा मिलाकर पी लें। नीबू चूसना भी फायदेमंद रहेगा। सादा नमक का पानी बार-बार पीने से भी गर्मी अधिक परेशान नहीं करेगी।

■ **सेंधा नमक और अजवाइन :** यदि आपको पित्त गिरने की शिकायत रहती है तो अपने साथ सेंधा नमक और अजवाइन मिलाकर रखें। दो-तीन बार खा लें।

■ **प्याज :** लू से बचने के लिए एक प्याज अपने पॉकेट या पर्स में लपेटकर रखें। इसे बार-बार सूँघने से लू नहीं लगेगी।

■ **कच्चे आम का पना :** कच्चे आम को उबालकर उसको ठंडा कर लें। ठंडे पानी में गूदे को मैश करके छान लें। थोड़ी-सी हींग, सौंफ और जीरा भूनकर पीस लें। सूखा पुदीना, शकर, काला और सेंधा नमक इस शरबत में मिलाएँ। इस शरबत को बाहर जाने से पहले पी लेने से लू नहीं लगेगी या गंतव्य स्थान पर पहुँच कर पी लें।

■ **गीला तौलिया व आँवला :** गर्मी में खासतौर पर सफर के दौरान एक गीला तौलिया हमेशा सिर पर रखें या हो सके तो एक गीला कपड़ा खिड़की पर बाँध लें। यदि अचानक नकसीर फूट जाए तो गीला कपड़ा नाक पर रख लें और ठंडा पानी सिर पर डालें। यदि आपको नकसीर की बीमारी है तो शुद्ध घी में आँवला पीसकर बराबर मात्रा में मिला लें और इसे भी साथ रख लें। इसे लगाने से खून रुक जाएगा।

■ **त्रिकुटी चूर्ण :** कम से कम खाइए। फिर भी अपचन न हो, इसके लिए त्रिकुटी का चूर्ण शहद के साथ सुबह ही खा लीजिए। काली पीपल, काली मिर्च व सौंठ को बराबर मात्रा में लेकर पावडर बना लीजिए। सफर में शहद के साथ यह चूर्ण खाने से आपको पेट संबंधी समस्या परेशान नहीं करेगी।

■ **आई ड्रॉप व कॉटन :** यदि आपकी आँखें जल्दी लाल हो जाती हैं तो आँखों को साफ करने का लोशन व रुई भी साथ में रखिए। लोशन में रुई का फाहा भिगोकर थकी और लाल आँखों पर रखिए। आपको बहुत आराम मिलेगा।

■ **धूप का चश्मा :** एक बड़ी फ्रेम वाला धूप का चश्मा भी गर्मी से बचाव की जरूरत को पूरा करता है। यह आँखों के साथ-साथ चेहरे की धूप से रक्षा करेगा।

■ **बड़ा स्कार्फ :** तैलीय मेकअप बिलकुल न करें, क्योंकि यह पसीने के साथ मिलकर आपके चेहरे को बदसूरत बना देगा। खुले बाल सफर में उड़-उड़कर उलझ जाते हैं तो बाद में ज्यादा टूटते हैं। एक बड़ा स्कार्फ बालों पर बाँध लें तो आप इस मुसीबत से भी बच जाएँगी।

फायदे गर्मी के

● शाम को इडली डोसा बनाना है, रात में दाल-चावल भिगोना भूल गए। याद भी आया तो सुबह 10 बजे। एक काम कीजिए उबलने जितना गर्म पानी कर दाल चावल भिगो दें। 1 बजे तक अच्छी तरह भीग जाएँगे। पीसकर घोल को ढँककर धूप में रख दें या स्टेबीलाइजर पर रख दें। सिर्फ 3 से 4 घंटों में अच्छा खमीर वाला घोल तैयार हो जाएगा। जब चाहें इडली-डोसा बना लें।

● रोज दही चाहिए? रात में जमाना भूल गए। सुबह उठकर दूध को कुनकुना गर्म करें। जामन थोड़ा अधिक डालें। अच्छी तरह मिलाकर ढक्कन बंद डिब्बे में धूप में रखें या स्टेबीलाइजर पर और यह लीजिए 12 बजे तक दही तैयार है।

● छोले या राजमा रात में भिगोना भूल गए हों तो सुबह तेज गर्म पानी में डाल दें। तीन घंटे में ही भीग जाएँगे।

● गर्मियों में भी कुनकुने पानी से नहाने की आदत है तो बाल्टी भर पानी तेज धूप में रख दें।

● कभी भी बाहर से आने पर पना पीना चाहिए। उबली हुई केरियाँ फ्रीज में अवश्य रखें और तुरंत इनसे पना बना लें।

नई ताजी केरी का मुरब्बा या छुंदा चाहिए तो केरी किसकर शकर मिलाकर सोलर कुकर में रख दें। एक दिन में तैयार हो जाएगा। या पतीले पर कपड़ा बाँधकर धूप में रखें तीन दिन में चाशनी तैयार हो जाएगी।

मैंगो लस्सी

सामग्री : 2 कप दही, 1 कप मैंगो पल्प (आम का गूदा), आधा टी स्पून इलायची पावडर, आधा कप शकर, आधा कप आम (बारीक कटा), 1 बड़ा चम्मच पिस्ता कतरन, बर्फ (अंदाज से)।

विधि : सर्वप्रथम ब्लैंडर में आम का गूदा एवं शकर मिलाकर चलाएँ। फिर इसमें दही, इलायची पावडर एवं बर्फ मिलाकर पुनः एक बार चलाएँ। मैंगो लस्सी तैयार है। इसे काँच के गिलासों में भरें। ऊपर से प्रत्येक गिलास में बारीक कटे आम के टुकड़े डालें। पिस्ता कतरन छिड़ककर ठंडी-ठंडी मैंगो लस्सी पेश करें। पीने वाले आपकी तारीफ किए बिना नहीं रहेंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3891

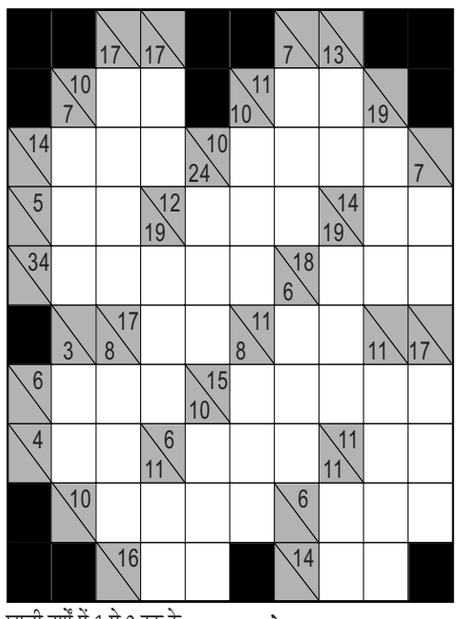

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3890 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 3891

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3890

सूडोकु -3891

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3890 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3891

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली -3890 का हल

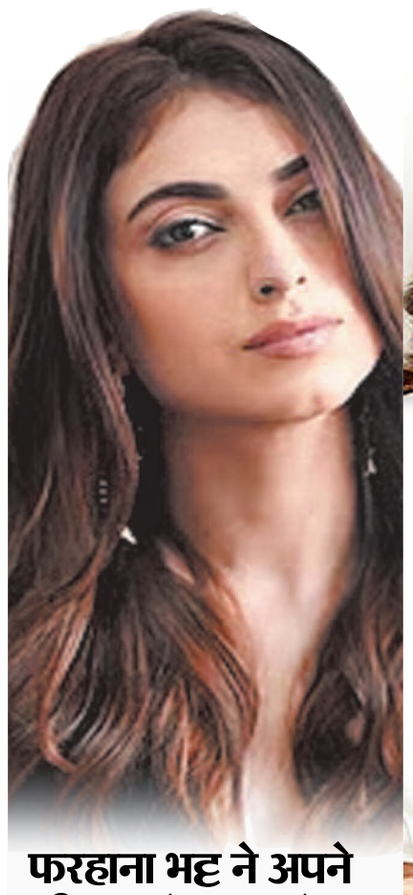

फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल फैसले के बारे में बात की

सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की।

एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया। कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।'

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, 'जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।'

एक्टर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी फिल्म 'सिस्टम' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच, फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय और अपने किरदार को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता का काम बाहर से देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना ही मुश्किल होता है। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, ''जब कोई एक्टर किसी नए किरदार को निभाता है, तो वह उसकी पूरी दुनिया में कदम रखता है। हर फिल्म और हर रोल एक अलग जिंदगी की तरह होता है, जिसमें नियम, रिश्ते और परिस्थितियां बिल्कुल नई होती हैं। मुझे अभिनय हमेशा रोमांचक लगता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और महसूस करने का मौका मिलता है।'' सोनाक्षी ने कहा कि किसी भी प्रोफेशन को बाहर से देखकर पूरी तरह समझना मुश्किल होता है। जैसे वकील या डॉक्टर की दुनिया को समझना आसान नहीं होता, वैसे ही फिल्म इंडस्ट्री के अंदर क्या होता है, यह सिर्फ वही लोग जानते हैं जो खुद उस प्रक्रिया का हिस्सा रहे हों। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्में सिर्फ ग्लैमर और कैमरे तक सीमित होती हैं, लेकिन असल में एक फिल्म के पीछे बहुत सारे लोग, मेहनत और तैयारी होती है, जो मिलकर एक कहानी को आकार देती है।''

फिल्म 'सिस्टम' में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम नेहा राजवंश है। उसके पिता रवि राजवंश उन्हें खुद को साबित करने की चुनौती देते हैं और सामने एक शर्त रखते हैं, जिसमें 10 केस जीतने की बात कही जाती है। इस शर्त को पूरा करने के लिए वह हाई-प्रोफाइल केस लड़ती हैं। इस दौरान उसकी मुलाकात अभिनेत्री ज्योतिका के किरदार सारिका रावत से होती है। वह एक स्टेनोग्राफर हैं। फिल्म 'सिस्टम' को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार और तस्नीम लोखंडवाला के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

रणदीप ने 'छावा' में ठुकराया औरंगजेब का रोल

एक्टर रणदीप हुड्डा लक्ष्मण उतेकर की अपकमिंग फिल्म 'ईथा' में श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि उन्हें 2025 की हिट फिल्म 'छावा' में मुगल बादशाह औरंगजेब का रोल ऑफर हुआ था। इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे। यह फिल्म बहुत बड़ी हिट साबित हुई। यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई। हुड्डा ने बताया कि उन्होंने औरंगजेब के रोल को ठुकरा दिया था। बाद में यह रोल अक्षय खन्ना ने निभाया। औरंगजेब का रोल ठुकराने की वजह बताते हुए रणदीप ने 'जूम' को बताया कि जब डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने उनसे 'छावा' के लिए संपर्क किया था, तब वे मानसिक रूप से सही स्थिति में नहीं थे। उन्होंने कहा कि उस समय उनका वजन बहुत कम था और उन्होंने अपना सिर मुंडवा रखा था। उन्होंने उस वक्त 'सावरकर' की शूटिंग पूरी की थी। उन्होंने कहा 'मैं एक केस से गुजर रहा था और उस पूरे घटनाक्रम से जुड़े कई पेचीदा मसले थे। मैं उस रास्ते पर बिल्कुल नहीं जाना चाहता था। ऐसे में जब मेरे पास यह प्रोजेक्ट (ईथा) मेरे सामने आया, तो मुझे यह काफी लुभावना लगा।'

'छावा' 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक संभाजी के जीवन पर आधारित थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'छावा' का बजट 130 करोड़ रुपये था। इसने बॉक्स ऑफिस पर 804 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया था।

फिर हिंदी सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं स्नेहा उल्लाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने हाल ही में अपने करियर और निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही ऐश्वर्या राय से उनकी तुलना होने पर भी खुलकर चर्चा की।

मजबूरी में रखा था फिल्मों में कदम

अल्फेनियन स्टूडियोज को दिए इंटरव्यू में स्नेहा ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का ऑफर मिला, तब वो सिर्फ 17 साल की थीं और हाल ही में कॉलेज में एडमिशन लिया था। उसी दौरान उनकी मां कैंसर का इलाज करवा रही थीं। घर का माहौल काफी उदास था। ऐसे में उन्होंने ये फिल्म सिर्फ इसलिए साइन की ताकि परिवार का ध्यान थोड़ी देर के लिए उस मुश्किल समय से हट सके। उन्होंने कहा, 'मां को घूमना-फिरना बहुत पसंद था, इसलिए मैंने इस ऑफर को हां कह दिया। उस फैसले ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी, चाहे मुझे एक्टिंग में दिलचस्पी थी या नहीं।' इसी बातचीत में स्नेहा ने ऐश्वर्या राय बच्चन से होने वाली तुलना पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड बनी थीं, तभी से लोग कहते थे कि दोनों की शक्ल काफी मिलती है। बाद में सलमान खान के साथ डेब्यू करने की वजह से लोगों ने अलग-अलग बातें बनानी शुरू कर दीं, लेकिन मैं उस समय बहुत छोटी थी, इसलिए इन चीजों का मुझ पर ज्यादा असर नहीं पड़ा।

सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं एक्ट्रेस

वर्कफ्रंट की बात करें तो बॉलीवुड के बाद स्नेहा ने साउथ फिल्मों में भी काम किया। अब वो धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। स्नेहा का कहना है कि वो इंडस्ट्री में अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और अब उन्हें साफ पता है कि वो किस तरह की एक्ट्रेस बनना चाहती हैं।

'ब्राउन' में सस्पेंस और अंधेरे से भरी दुनिया में दिखेंगी करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज 'ब्राउन' का टीजर जारी कर दिया गया है। जी5 पर रिलीज होने वाली इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर में करिश्मा अब तक के अपने सबसे अलग और इंटेंस अवतार में नजर आएंगी। टीजर में करिश्मा कोलकाता पुलिस की अफसर रीटा ब्राउन की भूमिका निभाती दिख रही हैं, जो अपने निजी संघर्षों और शहर में हो रहे खौफनाक अपराधों से जूझती नजर आती हैं। कोलकाता की रहस्यमयी और अंधेरी पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज सिर्फ एक मर्डर मिस्ट्री नहीं, बल्कि मानसिक संघर्ष और अपराध की गहरी परतों को दिखाने वाली कहानी है। टीजर में करिश्मा का रफ और बिना ग्लैमर वाला लुक है। इस वेब सीरीज का निर्देशन अभिनय देव ने किया है।

कई बार सेल्फ डाउट से गुजरी हूं

आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गईं। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से। उनसे एक खास बातचीत।

आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, 'मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं। मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं।

शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए

एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड ऐक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फ डाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, 'ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।' मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया। चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फ वर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, 'हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, 'चार दिन पहले' क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, 'डोंट बी अ वोक'(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वॉकिज्म नहीं है। एक साइकॉलजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी।'

बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है

रूबीना बताती हैं, 'मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।' अपने शो के बारे में वे कहती हैं, 'यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, 'मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?' लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट है, जिसके बारे में हमने पहले कभी खुलकर बात नहीं की।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।